डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

वर्षः-4 | अंक- 168 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 13 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

# गांधी आए, ब्रज में आंदोलन बढ़ा और क्रांतिकारी भी गरजे

## मथुरा की धरती बनी राष्ट्रीय आंदोलन की अहम कर्मभूमि

## परखम ट्रेन कांड ने अंग्रेजी शासन को दी खुली चुनौती

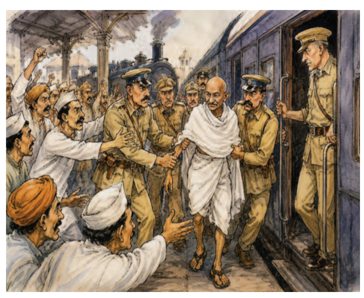

**यूनिक समय, मथुरा।** स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में मथुरा और ब्रजभूमि का योगदान केवल 1857 की क्रांति या भारत छोड़ो आंदोलन तक सीमित नहीं रहा। यहां महात्मा गांधी की यात्राओं से राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा मिली तो स्थानीय क्रांतिकारियों ने भी अंग्रेजी शासन को चुनौती देने के लिए साहसिक कदम उठाए। मथुरा जिले से जुड़ी 1919 से 1942 के बीच की घटनाएं बताती हैं कि ब्रजभूमि आजादी की लड़ाई में लगातार सक्रिय रही।

नौ अप्रैल 1919 का प्रसंग मथुरा के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। रॉलेट एक्ट और पंजाब की घटनाओं के विरोध के बीच गांधीजी दिल्ली से पंजाब की ओर जा रहे थे। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें पंजाब जाने से रोकने का आदेश दिया था। पलवल स्टेशन पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और बाद में मथुरा लाया गया। गांधीजी ने अपनी आत्मकथा में उल्लेख किया है कि उन्हें मथुरा की पुलिस बैरक में एक रात रखा गया। अगले दिन तड़के करीब चार बजे उन्हें बंबई ( अब मुंबई )जाने वाली ट्रेन में बैठा दिया गया। स्थानीय ऐतिहासिक विवरणों में यह भी उल्लेख मिलता है कि मथुरा स्टेशन पर गांधीजी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया था, लेकिन वहां मौजूद भीड़ के कारण पुलिस सफल नहीं हो सकी। बाद में पलवल में उनकी गिरफ्तारी हुई। यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण रही क्योंकि गांधीजी मथुरा किसी सभा के लिए नहीं, बल्कि अंग्रेजी सरकार की हिरासत में पहुंचे थे।

### असहयोग आंदोलन में ब्रज ने बढ़ाई भागीदारी

1921 में गांधीजी का मथुरा आगमन राष्ट्रीय आंदोलन के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव बना। नवंबर में खादी प्रचार और असहयोग आंदोलन के सिलसिले में वे मथुरा पहुंचे। स्थानीय इतिहास में उनके ठहरने की व्यवस्था जिला अस्पताल के पास 1986 तक संचालित तत्कालीन बड़े डाकखाने की ऊपरी मंजिल के सड़क की ओर वाले कमरे में किए जाने का उल्लेख मिलता है। इस दौरान उन्होंने वृंदावन, कोसी, गोवर्धन, राया, सादाबाद, गोकुल और महावन का भी दौरा किया।

सात नवंबर 1921 को मथुरा में गांधीजी की विशाल जनसभा हुई। उनके साथ मौलाना अबुल कलाम आजाद, पंडित मोतीलाल नेहरू और डॉ. एमए अंसारी समेत कई राष्ट्रीय नेता पहुंचे। गांधीजी और मोतीलाल नेहरू ने लोगों को संबोधित किया। सरकारी विरोध के बावजूद सभा सफल रही और बड़ी संख्या में लोगों ने राष्ट्रीय आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। असहयोग आंदोलन का प्रभाव जिले में व्यापक रहा। स्थानीय इतिहास के अनुसार, 100 से अधिक लोग जेल गए। 17 नवंबर को मथुरा में पूर्ण हड़ताल हुई और दिसंबर में स्वयंसेवकों की गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी रहा।

### परखम में लूटा गया था अंग्रेजों का खजाना

14 अगस्त 1942 की रात फरह क्षेत्र के परखम गांव में सामने आई। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, क्रांतिकारियों को सूचना मिली थी कि कानपुर से आगरा जा रही मालगाड़ी में अंग्रेज अधिकारियों के वेतन के लिए सरकारी खजाना ले जाया जा रहा है। परखम के पास क्रांतिकारियों ने रेलवे पटरी को क्षतिग्रस्त कर ट्रेन रोकने की योजना बनाई। सरकारी खजाने को निशाना बनाया गया। यह घटना भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजी शासन को आर्थिक और प्रशासनिक चुनौती देने के प्रयास के रूप में देखी जाती है।

# हरियाली तीज पर चार जोन और 18 सेक्टर में बांटा वृंदावन

## मंदिरों की नगरी में होंगी चाक-चौबंद सुरक्षा

## चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगी पुलिस

## वाहनों के प्रवेश पर भी लगाई गई पाबंदी

## पार्किंग में ही खड़े कराए जाएंगे वाहन

**यूनिक समय, मथुरा।** हरियाली तीज और15 अगस्त को लेकर पुलिस प्रशासन ने वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद इंतजाम किए हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को चार जोन और 18 सेक्टरों में बांटा गया है। इसके साथ ही कई मार्गो पर डायर्वजन प्लान और 70 स्थानों पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को पार्क कराने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

वृंदावन में 15 अगस्त को होने वाले हरियाली तीज के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने बैठक कर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए कि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो और सभी सुगमता हरियाली तीज का आनंद ले सके, इसके लिए वृंदावन को चार जोन और 18 सेक्टरों में बांट कर सुरक्षा इंतजाम किए हैं। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था के लिए इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक को अच्छी तरह से चलाने के लिए दूसरे जनपदों से 100 से अधिक ट्रैफिक कर्मचारी मांगे गए हैं, जिनका आना शुरू हो गया है।

दो कंपनी पीएसी के अलावा सीआरपीएफ की दो प्लाटून, 1300 से अधिक पुलिस कर्मियों और 250 उप निरीक्षकों को तैनात किया जाएगा। चप्पे-चप्पे पर पुलिस की व्यवस्था की जाएगी। सादा कपड़ों में भी महिला पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। छटीकरा से वृंदावन आने वाले वाहनों को वृंदावन की ओर आने पर प्रतिबंध रहेगा। मथुरा से वृंदावन जाने वाले मार्ग पर भी भारी वाहनों और कॉमर्शियल वाहन को प्रतिबंधित किया गया। पानीगांव से आने वाले भारी वाहनों को भी प्रतिबंधित किया गया है। बाहर से आने वाले वाहनों को बनाई गई पार्किंग में पार्क कराया जाएगा। वृंदावन में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए परिक्रमा मार्ग पर ई-रिक्शा आदि को चलने पर भी प्रतिबंध लगाए गए। पुलिस कर्मियों से बाहर से आने वाले लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

# चार करोड़ की सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप

**यूनिक समय, मथुरा।** सदर तहसील क्षेत्र के मौजा अल्हेपुर में करीब चार करोड़ रुपये कीमत की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास का आरोप लगा है। गुरुवार को ग्रामीण डीएम कार्यालय पहुंचे और प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने खसरा संख्या 58 की नवीन परती भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, चकबंदी के दौरान वर्ष 2000 में जमीन को नवीन परती के रूप में दर्ज किया गया था। मुख्य मार्ग से लगी होने के कारण इसकी बाजार कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोप है कि प्रहलाद, सत्यप्रकाश, मुकुट, हरिराम, रमेश, करन और टिंकू पुत्रगण राधाचरण और राहुल पुत्र दुर्गाप्रसाद जमीन पर कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने डीएम से राजस्व अभिलेखों की जांच कराकर जमीन को कब्जामुक्त कराने और आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ खसरा संख्या 58 की खतौनी की प्रति भी दी गई है।

### निजी कंपनी करेगी सामान की बुकिंग,बसों में भेजा जाएगा माल

# रोडवेज बसों से होगी माल ढुलाई, मिलेगी बिल्टी

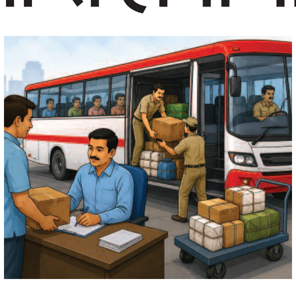

## अवैध ढुलाई और कमाई पर रोक से सरकार को होगा लाभ

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की यात्री बसों में अब यात्रियों के साथ व्यावसायिक सामान भी भेजा जा सकेगा। व्यापारी और आम लोग रोडवेज बसों के जरिए अपना सामान एक शहर से दूसरे शहर तक भेज सकेंगे। इसके लिए सामान की बाकायदा बुकिंग होगी और सामान भेजने वाले को बिल्टी दी जाएगी। इससे माल भेजने की प्रक्रिया व्यवस्थित होने के साथ उसका पूरा रिकॉर्ड भी रहेगा। निगम ने बसों में बिना अनुमति और बिना रिकॉर्ड के होने वाली माल ढुलाई पर रोक लगाने के लिए यह व्यवस्था शुरू की है।

अभी तक चालक और परिचालक की मिलीभगत से बिना बिल्टी सामान को बसों में रखकर बताए गए ठिकानों पर पहुंचाने का काम होता है। निगम को राजस्व का नुकसान होता था और बस में यात्रियों के लिए भी जगह की समस्या पैदा होती थी। नई व्यवस्था के तहत सामान की बुकिंग और ढुलाई का काम निजी ठेका कंपनी को सौंपा जाएगा। कंपनी के कर्मचारी बस स्टेशन और डिपो पर मौजूद रहेंगे। बुकिंग के बाद सामान की पूरी जानकारी दर्ज की जाएगी और संबंधित व्यक्ति को बिल्टी दी जाएगी। सामान की बुकिंग से लेकर बस में लोड होने तक की प्रक्रिया निगरानी में रहेगी। एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि बिना रिकॉर्ड सामान ले जाने की शिकायतें पहले सामने आती रही हैं। नई व्यवस्था लागू होने से अनाधिकृत माल ढुलाई पर रोक लगेगी। साथ ही निगम को माल ढुलाई से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। नई व्यवस्था से व्यापारियों को भी फायदा होगा। उन्हें सामान भेजने के लिए अलग से वाहन की व्यवस्था नहीं करनी पड़ेगी। रोडवेज की नियमित बस सेवा के माध्यम से सामान निर्धारित स्थान तक भेजा जा सकेगा।

# स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर बने ई–रिक्शा चालक

वृंदावन में आयोजित जन–जागरूकता और स्वच्छता संवाद कार्यक्रम में उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, विप्रा उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन आदि।

## मंडी में हुए कार्यक्रम में दिखा उत्साह, बताया स्वच्छता का महत्व

## तिरंगा रैली से दिया स्वच्छता का संदेश, बांटे गए थैले- डस्टबिन

**यूनिक समय, वृंदावन।** गुरुवार को मथुरा–वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने नवीन मंडी स्थित दारुक पार्किंग के निकट ई–रिक्शा चालकों के साथ जन–जागरूकता और स्वच्छता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में ई–रिक्शा चालकों को स्वच्छता का ब्रांड एंबेसडर बनाते हुए उन्हें स्वच्छता, यातायात नियमों और नागरिक जिम्मेदारी का संदेश जन–जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान से मथुरा– वृंदावन में चलने वाले करीब पांच हजार रिक्शा चालकों को जोड़ा गया।

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं हार्ट फूलनेस संस्था की ओर से ब्रज को स्वच्छ बनाने के लिए चलाए जा रहे हम सब ने ठाना है ब्रज को स्वच्छ बनाना है अभियान अंतर्गत वृंदावन स्थित मंडी के पास स्थित दारुक पार्किंग

वृंदावन में आयोजित जन–जागरूकता और स्वच्छता संवाद कार्यक्रम में तिरंगा के साथ डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

से जन जागरूकता अभियान चलाया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने ई–रिक्शा चालकों से निर्धारित रूट पर ही वाहन चलाने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में सहयोग करने की अपील की। ई–रिक्शाओं में यात्रियों के कचरे के लिए पोर्टेबल डस्टबिन और बैग उपलब्ध कराए गए। साथ ही 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' संदेश वाली पट्टिकाएं लगाई गईं, ताकि श्रद्धालुओं और आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता-जन–जागरूकता वीडियो का प्रदर्शन किया गया, अतिथियों को ब्रज स्वच्छता स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इसके बाद ई–रिक्शाओं पर राष्ट्रध्वज, स्वच्छता संदेश पट्टिका और डस्टबिन लगाए गए। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अतिथियों ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल ई–रिक्शाओं ने स्वच्छता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि ब्रज को स्वच्छ बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और ई–रिक्शा चालकों को अभियान से जोड़ना सार्थक पहल है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने ई–रिक्शा चालकों से यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। एसएसपी श्लोक कुमार ने निर्धारित रूट और यातायात नियमों के पालन को शहर की व्यवस्था के लिए जरूरी बताया।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि ई–रिक्शा चालक प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों और श्रद्धालुओं के संपर्क में रहते हैं, इसलिए वे स्वच्छता का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचा सकते हैं। कार्यक्रम का समापन 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' के सामूहिक संकल्प, 'हर घर तिरंगा' संदेश और राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में एमवीडीए की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन., एसपी सिटी राजीव सिंह सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे।

# ग्रामीणों और युवाओं में बढ़ा डाक विभाग की योजनाओं का क्रेज

**यूनिक समय, मथुरा।** डाकघर अब केवल चिट्ठी और पार्सल भेजने तक सीमित नहीं रह गए हैं। डाक विभाग की ओर से संचालित बचत, बीमा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का लाभ शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी तेजी से उठा रहे हैं। योजनाओं की जानकारी बढ़ने के साथ डाकघरों में इनका लाभ लेने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

जिले में मुख्य डाकघर से लेकर उप डाकघरों तक करीब 248 डाकघर हैं। इनमें 47 बड़े डाकघर और 197 छोटे डाकघर शामिल हैं। इसके अलावा एक बीपीसी और एक आईपीसी भी है। इन डाकघरों के माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि लोगों में डाक विभाग की योजनाओं को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। शहर से लेकर गांवों तक लोग अपनी जरूरत के अनुसार अलग–अलग योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। खासकर स्वास्थ्य और जीवन बीमा से जुड़ी योजनाओं में लोगों की रुचि बढ़ी है।

उन्होंने बताया कि विभाग की स्वास्थ्य संबंधी योजनाएं अलग–

## स्वास्थ्य से लेकर बीमा तक योजनाओं का लोग उठा रहे लाभ

## 18 से 60 वर्ष तक के लोगों के लिए खास स्वास्थ्य कवर

अलग आयु वर्ग के लोगों के लिए हैं। 18 से 50 वर्ष की आयु के लोगों के लिए एक लाख रुपये तक के स्वास्थ्य कवर की सुविधा के लिए सालाना 1299 रुपये जमा करने होंगे। वहीं दो लाख रुपये तक के कवर के लिए 1699 रुपये सालाना देने होंगे। इसी तरह 51 से 60 वर्ष की आयु के लोगों के लिए एक लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर की सुविधा 1599 रुपये सालाना करने होगे। दो लाख रुपये के कवर का लाभ लेने वालों को 1999 रुपये सालाना जमा करने होंगे। डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक ने कहा कि युवा वर्ग भी इन योजनाओं में कम प्रीमियम में स्वास्थ्य सुरक्षा मिलने के कारण नौकरीपेशा लोगों, छोटे व्यापारियों और ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों में भी इन योजनाओं के प्रति रुचि बढ़ रही है।

# कहीं हल्की बारिश, कहीं सूखा ब्रज में बारिश का इंतजार

## उमस से बेहाल लोगों को नहीं मिली राहत दिन भर छाए बादल

**यूनिक समय, मथुरा।** ब्रज क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदला–बदला नजर आया। वृंदावन और मथुरा शहर में थोड़ी देर के लिए हल्की बारिश हुई, जबकि ब्रज के अधिकांश इलाकों में बारिश नहीं हुई। उमस और गर्मी के बीच लोग आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार करते नजर आए।

गुरुवार को आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही। वृंदावन और मथुरा शहर में कुछ देर हुई हल्की बारिश से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली, लेकिन इसके बाद बारिश थम गई। ब्रज के अन्य क्षेत्रों में लोग बादलों के बावजूद

बारिश का इंतजार करते रहे। मौसम में बदलाव के बीच लोगों को उम्मीद है कि आने वाले घंटों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है। बादलों की आवाजाही से मौसम सुहावना होने की उम्मीद तो जगी, लेकिन कई इलाकों में बादल बिना बरसे ही निकल गए।

मथुरा और ब्रज के अन्य क्षेत्रों में भी लोग मौसम के रुख पर नजर बनाए रहे। आसमान में बादल देखकर लोगों को बारिश की उम्मीद जगी, लेकिन अधिकांश स्थानों पर बादल बिना बरसे ही आगे बढ़ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समय ब्रज को अच्छी बारिश की जरूरत है। हल्की बारिश से कुछ राहत जरूर मिलती है, लेकिन झमाझम वर्षा का इंतजार अभी भी बना हुआ है। लोगों की निगाहें आसमान पर हैं और हर बार बादलों के घिरने के साथ बारिश की उम्मीद और बढ़ जाती है।

## 15 तक वर्षा, फिर आसमान पर बादल

**यूनिक समय, मथुरा।** मौसम विभाग ने 18 अगस्त तक के लिए जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, 15 अगस्त तक जिले में हल्की या तेज वर्षा होने के आसार हैं, इसके बाद आसमान में छाए बादल राहत देते रहेंगे।

# राष्ट्र प्रेम में डूबी कान्हा की नगरी, जगमगाए शहर के चौराहे

**यूनिक समय, मथुरा।** स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम ने शहर को देशभक्ति के रंग में सजाना शुरू कर दिया है। नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों को आकर्षक विद्युत सजावट, तिरंगा झंडों और देशभक्ति संदेशों से सजाया जा रहा है। शाम होते ही चौराहों पर रोशनी से सजा तिरंगा लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

नगर निगम ने गोवर्धन चौराहा, मंडी चौराहा, भूतेश्वर तिराहा, मसानी चौराहा, कृष्णापुरी तिराहा, स्टेट बैंक चौराहा, टैंक चौराहा, डीग गेट, भरतपुर गेट, होली गेट, कचहरी तिराहा, बीएसए तिराहा सहित प्रमुख स्थानों पर सजावट कराई है। प्रमुख मार्गों पर तिरंगा झंडे लगाए गए हैं, कई स्थानों पर विद्युत झालरों के माध्यम से आकर्षक रोशनी की गई है।

स्वतंत्रता दिवस के लिए तिरंगा रोशनी से झिलमिलाता मसानी चौराहा। तिरंगा रंग और बिजली की रोशनी से जगमगाता भूतेश्वर चौराहा।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर शहर में देशभक्ति का माहौल बनाने के साथ नगर निगम की ओर से सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चौराहों के आसपास अनावश्यक होर्डिंग और पोस्टर हटाए जा रहे हैं। सड़क किनारे सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ रंग–रोगन का कार्य भी कराया जा रहा है। मथुरा- वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त ओजस्वी राज के अनुसार, 15 अगस्त को देखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों को आकर्षक स्वरूप देने का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय पर्व के प्रति उत्साह और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है।

## तिरंगे की रोशनी में नहाए शहर के चौराहे तीन रंग की आभा से जगमगाया शहर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सजाए गए चौराहे रोशनी से जगमगाएंगे। इससे शहर में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी स्वतंत्रता दिवस की भव्यता का अनुभव होगा।

नगर निगम की इस पहल से शहर के प्रमुख मार्गों का स्वरूप बदला नजर आ रहा है। रात में तिरंगे के रंगों से जगमगाते चौराहे लोगों को आकर्षित कर रहे हैं और स्वतंत्रता दिवस के उल्लास को और बढ़ा रहे हैं।

# एसएसपी ने किए पांच निरीक्षकों सहित 50 उपनिरीक्षकों के तबादले

**यूनिक समय, मथुरा।** एसएसपी ने एक बार फिर पुलिस विभाग को चुस्त-दुरूस्त करने के प्रयास में पांच निरीक्षको सहित 50 उप निरीक्षको के स्थानांतरण किए हैं।

एसएसपी श्लोक कुमार ने देर रात पुलिस अधिकारियों के स्थानानतरण किए हैं। निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह को आरटीसी प्रभारी से मीडिया सेल, निरीक्षक संजयपाल सिंह को मीडिया सेल प्रभारी और निरीक्षक सिरोजनी देवी को आरटीसी–जीओटी सेल प्रभारी बनाया गया है।

निरीक्षक हरेन्द्र मलिक को गोवर्धन से बरसाना, निरीक्षक घनेन्द्र शर्मा को बरसाना से गोवर्धन भेजा गया है। उपनिरीक्षक पारुल मिश्रा, चन्द्रवीर सिंह, अमित कुमार राय, विपिन कुमार, मोहनलाल, मनोज शर्मा, विनीत चौधरी, दीपक चौधरी, विपिन तोमर, सोमिल राठी, उमेश सिंह बैस, धर्मेन्द्र सिंह, अभिलाषा भारद्वाज, सुबोध कुमार भारद्वाज, सूरजपाल सिंह, सविता भाटी और राधा शर्मा को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

चन्द्र प्रकाश गिरी, प्रवीन तेवतिया, राजेन्द्र प्रसाद, सर्वेश कुमार, रामरूप, राजू सिंह, नन्द किशोर, रामप्रकाश, महेन्द्र सिंह, ध्रुव सिंह, सत्यभान सिंह, सुभाष चन्द्र, ओमवीर सिंह, सुनील कुमार, जयवीर सिंह, होशियार सिंह, इन्द्रजीत सिंह, सुधीर कुमार, सर्वेश कुमार, डोरी लाल, धनपाल सिंह, अशोक कुमार, श्रीचन्द्र, राम वकील, विजय कुमार, सरमन सिंह, ज्ञान प्रसाद और राजेश मिश्रा को भी स्थानांतरित कर नई तैनाती दी गई है।

# नगला उटावर में फिर खुली नकली पनीर की फैक्ट्री

**यूनिक समय, कोसीकलां।** खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद हैं। थाना क्षेत्र के गांव नगला उटावर में एक बार फिर सोयाबीन से नकली पनीर बनाने की अवैध इकाई पकड़ी गई है। आरोप है कि कपड़े चमकाने वाले खतरनाक केमिकल रानीपाल को पनीर में मिलाकर सफेद किया जा रहा था।

सवाल ये है कि अगर पहले पकड़े गए मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई और कड़ी सजा होती, तो क्या किसी की दोबारा ऐसी हिम्मत होती। गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सहायक आयुक्त डॉ. जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व में छापा मारकर करीब साढ़े पांच लाख रुपये का मिलावटी सामान नष्ट कराया। मौके से 700 ग्राम रानीपाल केमिकल, 50 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर, 150 किलो रिफाइंड और 1500 किलो दूषित पनीर बरामद हुआ। टीम ने संचालक मुस्तकीम के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है और नौ नमूने लैब भेजे हैं। लेकिन स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि इतनी बड़ी कार्रवाई के बाद भी ये धंधा फिर से कैसे शुरू हो गया। नगला उटावर में ये कोई पहला मामला नहीं है। पिछले एक साल में नौहझील, खैरगढ़ और सुरीर में भी मिलावटी पनीर और दूध की बड़ी कार्रवाईयां हो चुकी हैं। सैकड़ों किलो नकली पनीर नष्ट हुआ, लेकिन सजा के नाम पर सिर्फ जुर्माना और खानापूर्ति।

## अगर पहले सख्त कार्रवाई होती तो नहीं होती दोबारा हिम्मत

स्थानीय व्यापारियों और आम जनता का कहना है अगर विभाग समय–समय पर छापे और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई करता, तो आज ये लोग आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की हिम्मत नहीं करते। विशेषज्ञों का कहना है रानीपाल जैसे केमिकल इंसान के लिए जहर के समान हैं।

सोयाबीन और पाउडर से बना पनीर बच्चों और बुजुर्गों के लिए बेहद खतरनाक है। फिर भी मिलावटखोर बेखौफ हैं क्योंकि उन्हें पता है पकड़े जाएंगे, कुछ दिन बाद फिर शुरू कर देंगे। अब देखना होगा कि प्रशासन इस बार सिर्फ रिपोर्ट दर्ज कर खानापूर्ति करेगा या फिर ऐसे लोगों पर ऐसी कार्रवाई करेगा जो नजीर बने।

# तीन मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे की जमनेश्वर धाम कॉलोनी में एक तीन मंजिल मकान के निर्माण में एक युवा मजदूर तीन मंजिल से गिरकर गंभीर घायल हो गया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

बताया गया कि बिहार के गांव तेलोन्धा थाना धौरा जिला बांका का रहने वाला युवक चांद कुमार (20) पुत्र बालमुकंद बिहार से यहां आकर मजदूरी कर रहा था। कल वह जमनेश्वर धाम कॉलोनी में एक तीन मंजिला बनने वाले मकान के निर्माण का काम कर रहा था। काम करने के दौरान वह तीसरी मंजिल से नीचे जमीन पर गिर गया। साथी मजदूर को गिरता देख काम करने वाले मजदूरों में हड़कंप मच गया। दुर्घटना को देख काफी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए। घायल मजदूर युवक को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस बारे में पता लगा मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## मकान के निर्माण के दौरान जमनेश्वर धाम कॉलोनी में हुआ हादसा

# भाई ने पैसे देने से मना किया तो बहन ने दे दी जान

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना शेरगढ़ के गांव पैगांव में कल एक बहन द्वारा भाई से दो सौ रुपये मांगे। भाई ने पैसे देने से इंकार कर दिया। इतनी छोटी सी बात पर बहन ने नाराज होकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया गया कि कल पैगांव निवासी मीरा (15) पुत्री विजय सिंह ने अपने भाई से किसी काम के लिए 200 रुपये मांगे थे। भाई ने उसे पैसे देने से इंकार कर दिया। इस बात को लेकर मीरा अत्याधिक क्षुब्ध हुई और उसने किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में मीरा को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को भी उसकी मौत का पता लगा मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मीरा की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

# प्रेम प्रसंग में खाया विषाक्त महिला की मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** मगोर्रा पुलिस ने हाइवे थाने के बॉर्डर के बिठ्ठल नगर इलाके में अचेत पड़ी महिला और एक किशोर को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल में महिला की मौत हो गई। किशोर की हालत भी नाजुक बनी हुई है। मामला प्रेम प्रसंग का बताया गया है। आज प्रातः दस बजे के करीब मगोर्रा पुलिस को किसी ने सूचना दी कि बिठ्ठल नगर में एक महिला और किशोर बेहोशी की हालत में पड़े हैं। दोनों ने किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन किया है। इस जानकारी पर एसओ मगोर्रा और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को केएम मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

## किशोर की हालत गंभीर

पुलिस ने जब इस मामले में जानकारी की तो पता लगा कि मामला प्रेम प्रसंग का है। महिला मगोर्रा क्षेत्र की है, उसके दो बच्चे भी हैं। किशोर का नाम जितेंद्र(17) पुत्र विनोद कुमार निवासी देवीपुरा थाना हाईवे है। किशोर और महिला के प्रेमसंबंध चल रहे थे। दोनों ने एक साथ जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। किशोर ने ही पुलिस को इस बारे में बताया। पुलिस ने दोनों ही परिवारों को इस घटना के बारे में जानकारी दे दी है। पुलिस के अनुसार, किशोर का इलाज चल रहा है।

## परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के खिलाफ चलाया अभियान

# 28 वाहनों के चालान, पांच वाहन थानों में निरुद्ध

### स्कूली वाहनों पर परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई

### फिटनेस नहीं कराने पर पंजीयन निलंबन की चेतावनी

**यूनिक समय, मथुरा।** बच्चों की सुरक्षित आवाजाही के लिए परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान तेज कर दिया है। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर 11 से 25 अगस्त तक चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान 'मिशन सेफ फ्यूचर 2.0' के तहत जिले भर में स्कूली बसों, वैन और अन्य वाहनों की सघन जांच की गई।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत के नेतृत्व में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सतेन्द्र कुमार सिंह, यात्रीकर अधिकारी संदीप चौधरी और यात्रीकर अधिकारी पूजा सिंह ने विभिन्न विद्यालयों से जुड़े वाहनों की जांच की। टीम ने वाहनों की फिटनेस, परमिट, प्राथमिक उपचार पेटी, अग्निशमन यंत्र, चालक का लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल की।

जांच के दौरान सुरक्षा मानकों में कमी, अनफिट वाहन और दस्तावेजों की कमी मिलने पर 28 स्कूली वाहनों के चालान किए गए। वहीं पांच वाहनों को जिले के विभिन्न थानों में निरुद्ध किया गया। कार्रवाई के दौरान बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया और वाहनों को निरुद्ध करने की प्रक्रिया बच्चों को सुरक्षित गंतव्य या विद्यालय पहुंचाने के बाद की गई।

राजेश राजपूत ने विद्यालय प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को अपने सभी वाहनों की फिटनेस जांच और परमिट नवीनीकरण तत्काल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फिटनेस समाप्त हुए 30 दिन से अधिक होने पर मोटर यान अधिनियम की धारा 53 के तहत पंजीयन निलंबित किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को ई–रिक्शा, वैन या ऑटो से विद्यालय न भेजने की अपील की। साथ ही स्कूल बस का फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट और चालक का लाइसेंस जांचने को कहा। अभियान के दौरान लापरवाही करने वाले विद्यालयों की मान्यता निरस्त कराने की संस्तुति भी भेजी जाएगी।

## उमस भरी गर्मी में बिजली कटौती बढ़ी लोगों की परेशानी

### शहर से गांव तक बिजली की आंख–मिचौली

### पंखे–कूलर बंद होने से घरों में नहीं मिली राहत

**यूनिक समय, मथुरा।** उमस भरी गर्मी ने गुरुवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों का हाल बेहाल कर दिया। बढ़ी उमस के बीच बिजली की लगातार आंख–मिचौली ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। कई इलाकों में बिजली के आने–जाने का सिलसिला बना रहा। इससे घरों में पंखे और कूलर बंद होने के कारण लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल सकी।

शहर के कृष्णानगर समेत विभिन्न क्षेत्रों में दिनभर बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। थोड़ी–थोड़ी देर में बिजली गुल होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली जाने के बाद घरों में उमस और गर्मी बढ़ गई। गर्मी से परेशान लोग घरों के दरवाजों और छतों पर बैठकर बिजली आने का इंतजार करते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली कटौती का असर दिखाई दिया। कई गांवों में बार–बार बिजली जाने से लोगों के घरेलू काम प्रभावित हुए। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पंखे और कूलर बंद रहने से दुकानों में ग्राहकों और कर्मचारियों को गर्मी झेलनी पड़ी।

## पुलिस ने 15 अगस्त को लेकर बढ़ाई सुरक्षा, चलाया चेकिंग अभियान

हाइवे पर चैकिंग के दौरान मौजूद पुलिसकर्मी।

**यूनिक समय, कोसीकलां।** 15 अगस्त को लेकर पुलिस ने कस्बे और आस–पास के क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी है। पुलिस बीती रात नगर के ढावों, होटल, धर्मशालाओं गैस्टहाउसों को चेक किया।

थाना प्रभारी कोसीकलां कमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने बीती रात अभियान चलाकर होटल, ढाबों सहित अन्य स्थानों पर चेकिंग की। पुलिस ने वहां के रजिस्टर और ठहरने वालों के बारे में जानकारी की। साथ ही उन सभी को निर्देश दिए कि बिना आधारकार्ड और पूरे कागजात के बाद ही ग्राहकों को होटल में ठहराए। इसके साथ ही किसी भी संदिग्ध नजर आने वाली की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस टीम ने हाईवे पर वाहनों को चेक किया, नगर में गश्त भी किया।

## मृदुल अग्रवाल मुख्य संयोजक कई बनाए गए सह संयोजक

बैठक में मौजूद गिलट आभूषण व्यवसायी समिति के पदाधिकारी।

### जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर गिलट आभूषण व्यवसायी समिति की बैठक

**यूनिक समय, मथुरा।** गिलट आभूषण व्यवसायी समिति रजि. मथुरा की कार्यकारिणी सभा की बैठक गोविन्द नगर स्थित एक स्थानीय होटल में समिति अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सादाबाद वालों की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर भव्य जन्माष्टमी महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। आयोजन के मुख्य संयोजक मृदुल अग्रवाल तथा सह–संयोजक बृजेश अग्रवाल, राहुल नवरत्न, राजेंद्र मोदी, ओम प्रकाश गोला और नितिन मुनीम बनाए गए।

मुख्य संयोजक मृदुल अग्रवाल ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर गली रामपाल, मंडी रामदास में तीन दिवसीय भंडारे का आयोजन किया जाएगा। तीन सितंबर को दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक पूड़ी–सब्जी का प्रसाद वितरित होगा। चार सितंबर को सुबह सात से 10 बजे तक चाय, मगोड़े-पकौड़े और सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक पूड़ी, सब्जी और बूंदी का प्रसाद श्रद्धालुओं को दिया जाएगा। पांच सितंबर को सुबह छह से नौ बजे तक सूजी के हलवे का प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसका लाभ मथुरा आने वाले लाखों दर्शनार्थी और श्रद्धालु उठा सकेंगे।

समिति के उपाध्यक्ष गुड्डू अग्रवाल ने सभी सदस्यों से भंडारे में सहयोग की अपील की। अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने डीएम से भंडारे की अनुमति के लिए विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही विभाग के माध्यम से अनुमति की व्यवस्था कराने की मांग की। बैठक में संरक्षक अनिल अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग सहित राहुल नक्षत्र, तरुण अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, अंकित गुरुआ आदि सदस्य मौजूद रहे।

## हरियाली तीज, स्वतंत्रता दिवस पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

**यूनिक समय, वृंदावन।** वृंदावन सेवा संस्थान द्वारा संचालित वी एस एस वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर के बैनर तले हरियाली तीज और स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किसा जाएगा। 14 अगस्त दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक महिला-लड़कियों के हाथों में निःशुल्क मेहंदी लगाई जाएगी। संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। शाम पांच बजे से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा गोपाल वाटिका से प्रारंभ होकर रंग जी मंदिर होते हुए गांधी पार्क जाएगी, जहां महात्मा गांधी, शहीद लक्ष्मण और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। यात्रा का समापन गोपाल वाटिका पर होगा। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ पार्षद माधवी बघेल करेंगी। 15 अगस्त को प्रातः आठ बजे ध्वजारोहण गोपाल वाटिका पर किया जाएगा। मुख्य अतिथि कात्यायनी टहल के अध्यक्ष प्रदीप सराफ होंगे। यह जानकारी संस्थान के निदेशक विश्वनाथ गुप्ता ने दी।

## लोको रनिंग स्टाफ के कैडर पुनर्गठन में देरी पर प्रदर्शन

मांगों को लेकर जंक्शन पर प्रदर्शन करते लोको रनिंग के कर्मचारी और पदाधिकारी।

### मथुरा जंक्शन पर दर्जनों लोको पायलट कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर जताया विरोध

**यूनिक समय, मथुरा।** ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की केंद्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर गुरुवार को देशभर की लोको लॉबियों में कैडर पुनर्गठन में हो रही देरी के विरोध में गेट मीटिंग और प्रदर्शन कर मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर भी लोको पायलट कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर अपनी मांग उठाई। कार्यक्रम अध्यक्षता करते हुए कॉमरेड रजनीश कुमार मीना ने कहा कि रनिंग स्टाफ के कैडर पुनर्गठन में वर्षों से देरी हो रही है, जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। रनिंग स्टाफ काफी समय से संगठन के माध्यम से अपनी समस्याएं रेल प्रशासन से की है लेकिन इसके बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोको पायलट रेलवे के फ्रंटलाइन कर्मचारी हैं और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तरह पालन करते हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। इसी के विरोध में 13 अगस्त को देशभर की लोको लॉबियों पर प्रदर्शन कर विजय दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

इस मौके पर लोको पायलट मेल प्रताप सिंह, गोपाल लाल शर्मा, रामकिशन मीना, उम्मेद लाल मीना, दिनेश तिवारी, अमित मीना, विक्रम सिंह मीना, विजय सिंह मीना, सुशील चौधरी, चेतन शर्मा, बंटी सिंह, मनोज मीना, हंसराज मीना, सीके मिश्रा, रामखिलाड़ी मीना, जितेंद्र यादव, चरत लाल मीना और लेखराज जाटव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

# पीसीआई–क्यूसीआई मूल्यांकन में जीएलए के फार्मेसी संस्थान को सर्वोच्च ग्रेड 'ए'

**यूनिक समय, मथुरा।** जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च (आईपीआर) ने फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) के संयुक्त संस्थागत मूल्यांकन में सर्वोच्च ग्रेड 'ए' प्राप्त किया है। यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान, नवाचार, छात्र विकास, उद्योग से जुड़ाव और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था का प्रमाण है।

पीसीआई–क्यूसीआई द्वारा फार्मेसी संस्थानों का मूल्यांकन विभिन्न गुणवत्ता मानकों के आधार पर किया जाता है। इसमें संस्थागत नेतृत्व एवं प्रशासन, नियामकीय अनुपालन, फैकल्टी की गुणवत्ता, शैक्षणिक आधारभूत ढांचा,

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के फार्मेसी विभाग के पीसीआई–क्यूसीआई मूल्यांकन के सर्टिफिकेट के साथ जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल। साथ हैं विभाग के पदाधिकारीगण।

शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया, विद्यार्थी सहायता- प्रगति, अनुसंधान-नवाचार, उद्योग–संस्थान सहयोग, प्लेसमेंट, सामाजिक उत्तरदायित्व और संस्थागत परिणाम जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाता है।

जीएलए विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ने इन सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च ग्रेड 'ए' हासिल किया।

जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च के सभी शिक्षकों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों को बधाई दी। सीएफओ ने कहा कि पीसीआई–क्यूसीआई मूल्यांकन में सर्वोच्च ग्रेड 'ए' मिलना संस्थान की निरंतर गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में जीएलए विश्वविद्यालय की पहचान और मजबूत होगी। मथुरा क्षेत्र के लिए भी यह उपलब्धि गौरव का विषय है। इस उपलब्धि पर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च के निदेशक प्रोफेसर डॉ. कमल शाह ने कहा कि पीसीआई–क्यूसीआई मूल्यांकन में प्राप्त सर्वोच्च ग्रेड 'ए' पूरे संस्थान के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

## पुस्तकालय अब किताबों के साथ डिजिटल संसाधनों का भी केंद्र

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती के उपलक्ष्य में जीएलए विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मना। छात्रों को ज्ञानवर्धन और बदलते वैश्विक रुझानों से अवगत कराने को पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। पुस्तकालय सदस्यों द्वारा पारंपरिक से आधुनिक पुस्तकालय, एंटी प्लेगरिज्म सॉफ्टवेयर टर्निटिन, ओपन–सोर्स डिजिटल रिपॉजिटरी सॉफ्टवेयर के बारे में अपना व्याख्यान दिया। कुलपति प्रो अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि किताबें पढ़ना केवल परीक्षा पास करने का एक माध्यम नहीं, बल्कि सोचने और समझने की ताकत देता है। एसोसिएट डीन अकादमिक डा. आशीष शुक्ला ने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय का पुस्तकालय सिर्फ किताबों का घर नहीं, बल्कि डिजिटल संसाधनों, ई बुक्स, ऑडियो बुक्स, शोध डाटा बेस और डिजिटल अभिलेखों का केंद्र है। अध्यक्षता करते हुए डॉ. अजय कुमार शर्मा ने स्वागत किया।

# अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन बहाल दोबारा लापरवाही पर होगी कार्रवाई

**यूनिक समय, मथुरा।** परिषदीय विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले शिक्षक–शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को बड़ी राहत मिली है। बीएसए रतनकीर्ति ने संबंधित कर्मचारियों के रोके गए वेतन और मानदेय को चेतावनी के साथ बहाल करने की स्वीकृति दी है। भविष्य में विद्यालय समय में अनुपस्थित मिलने या ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जिले में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा के निर्देशों के अनुपालन में परिषदीय विद्यालयों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय बंद मिलने अथवा शिक्षक–कर्मचारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर कार्रवाई की जाती रही है। प्रेरणा पोर्टल से प्राप्त विवरण और अन्य अभिलेखों के आधार पर निरीक्षण के दिन अनुपस्थित मिले शिक्षक–शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के संबंधित दिवस का वेतन या मानदेय

### बीएसए ने चेतावनी के साथ दी मंजूरी, टाइम एंड मोशन व्यवस्था का पालन नहीं किया तो विभागीय कार्रवाई तय

पहले ही रोक दिया गया था। इसके बाद कई शिक्षक–कर्मचारियों ने अपने वेतन अथवा मानदेय को बहाल किए जाने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किए। प्रार्थना–पत्रों पर विचार करने के बाद बीएसए ने सूची में शामिल संबंधित शिक्षक–कर्मचारियों के अवरुद्ध वेतन और मानदेय को बहाल करने की अनुमति दी है। हालांकि यह राहत बिना शर्त नहीं दी गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित कर्मचारी शासन द्वारा निर्धारित टाइम एंड मोशन व्यवस्था का कड़ाई से पालन करेंगे और विद्यालय के तय समय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

# महिला हॉकी, लॉन टेनिस और सब जूनियर कुश्ती के ट्रायल 17 और 18 को

**यूनिक समय, मथुरा।** खेल निदेशालय के तत्वावधान में आयोजित होने वाली प्रदेशीय महिला हॉकी और लॉन टेनिस प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 17 अगस्त को स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होंगे। वहीं, सब जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 18 अगस्त को आयोजित किए जाएंगे।

महिला हॉकी–लॉन टेनिस के ट्रायल 17 अगस्त को सुबह 11 बजे से होंगे। इसमें वही महिला खिलाड़ी भाग ले सकेंगी, जिनकी आयु 31 दिसंबर 2026 को 25 वर्ष से अधिक नहीं होगी। इच्छुक महिला खिलाड़ियों को आधार कार्ड के साथ निर्धारित समय पर जिला खेल कार्यालय, में उपस्थित होना होगा। चयनित मंडलीय टीम के ट्रायल 18 अगस्त को आगरा में होंगे। इसके बाद प्रदेशीय महिला हॉकी- लॉन टेनिस प्रतियोगिताएं 20 से 22 अगस्त तक अयोध्या में आयोजित की जाएंगी।

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि प्रदेशीय सबजूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 18 अगस्त को दोपहर 2 बजे से स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होंगे। इसमें एक जनवरी 2009 से 31 दिसंबर 2010 के बीच जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। वर्ष 2011 में जन्मे खिलाड़ी भी चिकित्सक अथवा माता–पिता की अनुमति का प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। खिलाड़ियों की आयु और निवास का सत्यापन जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड या पासपोर्ट से किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ियों को 18 अगस्त को मूल जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड या पासपोर्ट के साथ जिला खेल कार्यालय में उपस्थित होना होगा।

अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि मनाते समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी आदि।

## लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि मनाई

**यूनिक समय,मथुरा।** अखिल भारतीय समता फाउंडेशन और महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा नगर बिजली घर स्थित कैंप कार्यालय पर अहिल्याबाई होल्कर की 231 वीं पुण्यतिथि उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि लोकमाता के आदर्श आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समता मूलक और न्यायप्रिय समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर संजय कुमार, सुमित कुमार, सुनील पटवारी, राजगब्बर, आकाश बाबू, पप्पू, राजू, सौदान सिंह आदि उपस्थित रहे।

## आईओपी महाविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकाली

**यूनिक समय, वृंदावन।** स्वतंत्रता दिवस को समर्पित राष्ट्रीय अभियान 'हर घर तिरंगा' के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल फिलॉसफी महाविद्यालय परिसर में एनसीसी और एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। रैली में 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'वीर शहीद अमर रहें' के नारे गूंजते रहे। प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और वीर शहीदों के बलिदान का प्रतीक है। शिक्षा के साथ–साथ युवाओं में राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों का बोध कराना ही इस रैली का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर, प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. के.एल अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, सुनीत शुक्ला, मृदुला पांडेय, पवित्र गोस्वामी, धर्मेन्द्र कुमार, सुभाष कृष्ण सरकार और सौरभ कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे।

# हरियाली तीज में अग्र बहनों ने बिखेरा हुनर

हरियाली तीज कार्यक्रम में मौजूद अग्र बहन।

### नृत्य, हास्य नाटिका और भक्ति प्रस्तुतियों ने मोहा मन

### तिरंगे संग राष्ट्रप्रेम का संदेश देकर मनाया उत्सव

**यूनिक समय, मथुरा।** श्रीअग्रवाल सभा महिला समिति की ओर से हरियाली तीज महोत्सव अग्रवाटिका में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रंग–बिरंगे परिधानों में सजी अग्र बहनों ने नृत्य, हास्य नाटिका, शिव भक्ति और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षिका रजनी बंसल 'स्वीटी सुपारी', रजनी तायल, संयोजिका आशा और मीरा अग्रवाल, अध्यक्ष रेणू अग्रवाल और मंत्री शशि अग्रवाल ने पदाधिकारियों के साथ राधा–कृष्ण की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद प्रतिमा को झूला झुलाया गया। सामूहिक गायत्री मंत्र और नारायण प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शिल्पी और दीपिका अग्रवाल ने शिव स्तुति प्रस्तुत की। राखी, चिंकी, मेघा, मोहिनी, नेहा, प्रिया और पूजा अग्रवाल ने विभिन्न रंगों की साड़ियों में सावन के गीतों पर मनमोहक नृत्य किया। 'ट्रेन में तीज' हास्य नाटिका में छाया, गुंजन, अंजना अग्रवाल और चारु सिंघल ने अभिनय- व्यंग्य के जरिए खूब हंसाया।

'वंदे भारत, अनेकता में एकता' थीम के तहत विभिन्न राज्यों की संस्कृति भी प्रस्तुत की गई। अनीता और गौरी अग्रवाल ने ब्रज लोकगीत, अलका और उपासना ने गरबा, शिल्पी और सुगंधा ने घूमर, संध्या और लवली ने भांगड़ा और हिमांशी और राधा अग्रवाल ने लावणी नृत्य प्रस्तुत किया।

अंत में सभी प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगे लेकर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। पंक्चुअलिटी, हाऊजी के विजेताओं और प्रतिभागियों को पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया। संचालन माधुरी अग्रवाल, रंजना बंसल, रचना और मीनाक्षी अग्रवाल ने किया। समापन चाट और मिष्ठान के साथ हुआ। संयोजिका आशा अग्रवाल ने आभार जताया।

## सूचना

मैं कमल पुत्र वेदराम नि0 सकरवा रोड पथवारी के पीछे तहसील गोवर्धन जिला मथुरा मेरा पुत्र रविंद्र व उसकी पत्नी ज्योति मेरे कहने में नहीं है मेरा भविष्य में उनके द्वारा किये गए कृत्य व लेन–देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे, मैंने और मेरे परिवार ने अपने बेटे व उसकी पत्नी से सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है, भविष्य में हमसे उनका कोई सम्बन्ध सरोकार नहीं है।


यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालयः**- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# छाता चीनी मिल पर पूर्व सैनिकों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

छाता चीनी मिल पर अनिश्चिकालीन धरना देते पूर्व सैनिक।

### "जय जवान, जय किसान" के नारों से गूंजा परिसर

### किसान हक और क्षेत्र के विकास के लिए रखी पांच मांगें

**यूनिक समय, छाता।** बंद पड़ी चीनी मिल के जीर्णोद्धार और क्षेत्र के किसानों-युवाओं के हक को लेकर अब पूर्व सैनिक भी मैदान में उतर आए हैं। पूर्व सैनिकों ने छाता चीनी मिल परिसर गेट पर "जय जवान, जय किसान" के नारों के साथ अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। धरने पर बैठे पूर्व सैनिकों ने दीपक शर्मा द्वारा चलाए गए आंदोलन का समर्थन करते हुए अपनी पांच प्रमुख मांगें प्रशासन और सरकार के सामने रखी है। पूर्व सैनिकों ने स्पष्ट किया कि उनका यह आंदोलन किसी सरकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि किसानों के हक और क्षेत्र की उपेक्षा के विरुद्ध है। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व सैनिक प्रतिनिधियों ने कहा, "हमारा आंदोलन किसी राजनीतिक दल या सरकार के विरोध में नहीं है। दीपक शर्मा के आंदोलन का मुख्य विषय भी यही था कि व्यवस्था की 'चाबी' आखिर किसके पास है। संबंधित विभाग और गन्ना मंत्रालय जिम्मेदार हैं।

## कली हिंडोले में विराजमान हुए राजाधिराज, भक्तों को दिए दर्शन

कली हिंडोले में विराजमान राजाधिराज।

**यूनिक समय, मथुरा।** पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में गुरुवार को ठाकुर जी ने कली के हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) द्वारा किया जाता है। सावन मास में विभिन्न घटाओं और हिंडोलों में विराजमान होते है। कल संध्या उद्यापन के दर्शन शाम पांच बजे से खुलेंगे। इसके बाद शयन के दर्शन शाम सात बजे से रात आठ बजे तक होंगे।

## नंदगांव में गोदाम पर छापा, जांच को भेजे कीटनाशक दवा के नमूने

**यूनिक समय, मथुरा।** नंदगांव स्थित श्रीजी इंटरप्राइजेज के गोदाम में कथित रूप से अवैध तरीके से कीटनाशक दवा तैयार किए जाने की सूचना पर औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक ने टीम के साथ छापेमारी कर जांच की। डीआई ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोदाम में गुजरात की एक कंपनी के नाम से कीटनाशक दवा तैयार किए जाने की जानकारी मिली है। मौके से मिले दवा निर्माण से संबंधित सामान और अन्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि गोदाम संचालक को विभाग की ओर से नोटिस जारी कर दिया गया है। नोटिस के माध्यम से संचालक से एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में जवाब नहीं देने अथवा जांच में अनियमितता की पुष्टि होने पर संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## प्रवर्तन दल ने पांच से सात किलोवाट चोरी पकड़ी

बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाते प्रवर्तन दल

### बिजली चोरी में चार उपभोक्ताओं पर मुकदमा दर्ज

### मीटर से पहले कट लगाकर हो रही थी बिजली चोरी

**यूनिक समय, मथुरा।** विद्युत चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रवर्तन दल ने चार उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते पकड़ा। टीम ने मौके पर चोरी की वीडियोग्राफी कराई और सभी के खिलाफ विद्युत चोरी निरोधक थाना कृष्णानगर में मुकदमा दर्ज कराया है। प्रवर्तन दल प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता सुशील कुमार, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र पाल सिंह, आरक्षी जागेश्वर, मुख्य आरक्षी अंकुर और अवर अभियंता रूपनारायण शर्मा की टीम ने कार्रवाई की।

जांच में आनन्द वाटिका, जमुना बिहार निवासी श्याम लाल के घरेलू संयोजन में मीटर से पहले इनकमिंग केबल काटकर अवैध केबल जोड़कर ई–रिक्शा चार्जिंग में बिजली का उपयोग करते पाया गया। चोरी का भार करीब पांच किलोवाट मिला। इसी तरह राया क्षेत्र के खप्परपुर गांव में निरंजन सिंह, प्रवीन कुमार और मधु कुमारी के परिसरों में भी मीटर से पहले कट लगाकर अवैध केबल से बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था। तीनों मामलों में चोरी का भार करीब पांच से सात किलोवाट तक मिला। टीम ने सभी मामलों में मौके की वीडियोग्राफी कर साक्ष्य जुटाए।

## जाहरवीर बाबा का छड़ी मेला 20 और 21 अगस्त को

जाहरवीर आमंत्रण पत्र का विमोचन करते समिति के पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** श्री बाबा जाहरवीर जी कमेटी की ओर से छड़ी मेला महोत्सव 20 और 21 अगस्त को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर एक स्थानीय होटल में आमंत्रण पत्र विमोचन कार्यक्रम हुआ। संस्थापक ओमप्रकाश भगत और सह संस्थापक राजाराम गर्ग ने भक्तों से आयोजन को सफल बनाने की अपील की। कमेटी अध्यक्ष ऋषि गुप्ता ने बताया कि 20 अगस्त को रावलिया गली से महिलाओं के सहयोग से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो बाबा के मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद दोपहर तीन बजे छल्ला मंदिर से शोभायात्रा शुरू होगी। कच्ची सड़क, मंडी रामदास, डीग गेट और अग्रसेन चौराहा होते हुए शोभायात्रा चित्रकूट मसानी पहुंचेगी। इसमें बैंड, आकर्षक झांकियां और बाबा का डोला शामिल रहेगा।

कार्यकारी अध्यक्ष सुशील वार्ष्णेय ने बताया कि 21 अगस्त को चित्रकूट मसानी पर भजन संध्या, छप्पन भोग और प्रसादी का आयोजन होगा। टी–सीरीज के सुप्रसिद्ध भजन गायक पंडित राम अवतार शर्मा विशेष आकर्षण रहेंगे। महामंत्री अधिवक्ता दीपक गोयल ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। कार्यक्रम में श्याम सुंदर वार्ष्णेय, पप्पन अग्रवाल, गौरव गुप्ता, प्रिंस गोयल सहित कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

## गांजा और चाकू रखने पर गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन पुलिस ने पानी की टंकी के समीप से अभियुक्त साहिल निवासी गौरानगर कॉलोनी वृंदावन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 447 ग्राम अवैध गांजा और एक चाकू बरामद किया है।

## 279 शिक्षकों का वेतन बहाल

**यूनिक समय, मथुरा।** डैंपियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में गुरुवार को तिरंगा महोत्सव मेले का आयोजन हुआ। प्रभारी मंत्री- राज्यमंत्री बेसिक शिक्षा विभाग संदीप सिंह ने मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन, वंदे मातरम् और विद्यार्थियों द्वारा तैयार देशभक्ति आधारित रंगोलियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मंत्री ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनियों में जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ली। स्वयं सहायता समूह के उत्पादों का जायजा लेते हुए व्यंजनों की सराहना की। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत योगेश कुमार को महिंद्रा वाहन और प्रदीप कुमार को इको कार की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत लाभार्थियों को विभिन्न टूलकिट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में मंत्री ने वीर शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना मजबूत करते हैं। मंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि जनपद के जिन 279 शिक्षकों का एक दिन या उससे अधिक समय का वेतन किसी कारण बाधित था, उनका वेतन बहाल किया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान की शपथ भी दिलाई गई।

## गैंगस्टर को चार साल सात माह की सजा

**यूनिक समय, मथुरा।** न्यायालय एडीजे पांच ने गैंगस्टर के मामले में अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए चार साल सात माह की सजा और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार, थाना गोविंदनगर पुलिस ने अभियुक्त रहीश उर्फ सुलेमान निवासी काशीराम कॉलोनी के खिलाफ 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत अरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। मुकदमे की सुनवाई एडीजे पंचम के न्यायालय में हुई। न्यायधीश ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

## चोरी के मामले में जेल में बिताई अवधि की सजा

**यूनिक समय,मथुरा।** एसीजेएम प्रथम ने गाड़ी चोरी करने वाले अभियुक्त को जेल में बिताई गई अवधि की सजा और 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में माल बरामद कर अभियुक्त विक्रम निवासी बछगांव थाना मगोर्रा के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम प्रथम न्यायालय में हुई। एसीजेएम ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

## मौसम की मार से बच्चों की ओपीडी में बढ़े मरीज

जिला महिला चिकित्सालय में बच्चे को देखते बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.ओमप्रकाश।

### पेट दर्द और लूज मोशन के मरीज बढ़े

### एक सप्ताह में 70 से बढ़कर 80 पहुंची बच्चों की ओपीडी, रोजाना 4–5 बच्चे हो रहे भर्ती

**यूनिक समय, मथुरा।** मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब बच्चों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। जिला महिला चिकित्सालय में बच्चों की ओपीडी बढ़ गई है। करीब एक सप्ताह पहले जहां प्रतिदिन 70 के आसपास बच्चे उपचार के लिए पहुंच रहे थे, वहीं अब संख्या बढ़कर करीब 80 तक पहुंच गई है। चिकित्सकों के मुताबिक, मौसम की मार के चलते छोटे बच्चों में पेट दर्द, लूज मोशन और खूनी ऐंठन जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं।

जिला महिला चिकित्सालय में आने वाले बच्चों में सबसे अधिक मामले पेट से जुड़ी बीमारियों के सामने आ रहे हैं। इनमें कई बच्चों को हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। प्रतिदिन करीब चार से पांच बच्चों को पेट दर्द और लूज मोशन की शिकायत के चलते भर्ती किया जा रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में उमस और तापमान में उतार–चढ़ाव के कारण बच्चों में संक्रमण और पेट संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण छोटे बच्चे तेजी से बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। बच्चों में पेट दर्द, दस्त और अन्य पेट संबंधी समस्याओं के मामले बढ़े हैं। अभिभावकों को बच्चों के खान–पान और साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बच्चों को साफ और उबला हुआ पानी पिलाने के साथ बाहर के खुले खाद्य पदार्थों से बचाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि यदि किसी बच्चे की हालत अधिक गंभीर होती है तो उसे बेहतर उपचार के लिए एसएन हॉस्पीटल आगरा रेफर किया जाता है। जिला महिला चिकित्सालय में वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण गंभीर स्थिति वाले बच्चों को उच्च चिकित्सा केंद्र भेजना पड़ता है।

## कूटरचित आधार कार्ड के साथ पकड़ा

**यूनिक समय, मथुरा।** कोसीकलां पुलिस ने एक अभियुक्त को बठैन जाव रोड पर रजवाह की पुलिया के समीप से अभियुक्त खालिद निवासी विशंभरा थाना शेरगढ़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार कूटरचित आधार कार्ड दो मोबाइल चार सिम वाई कंपनी बरामद किए हैं।

## 327 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** जैंत पुलिस ने देवी आटस रोड भरतिया रजवाह के समीप से अभियुक्त टीटू उर्फ प्रेम सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसकी तलाशी में 327 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है।

## सुविचार

हार केवल एक पड़ाव है, मंजिल तक पहुंचने का हौंसला कभी कम मत होने दीजिए।

## कल का पंचांग

| | | | |
|---|---|---|---|
| तिथि | द्वितीया 08:41-06:47 तक | पक्ष | कृष्ण पक्ष |
| नक्षत्र | पूर्व फाल्गुनी 04:38-03:42 तक | माह | श्रावण |
| सूर्योदय | 5:53 AM | चन्द्रोदय | 07:15 AM |
| सूर्यास्त | 6:54 PM | चंद्रास्त | 08:02 PM |
| सूर्य राशि | कर्क राशि | चंद्र | सिंह राशि |
| शुभ मुहूर्त | 11:58AM-12:51 PM | ब्रह्म मुहूर्त | 04:15-05:43 |
| त्योहार/व्रत | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | 10:46 AM: 12:24 PM | वार | शुक्रवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

## कल का राशिफल

**मेष:** कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति सुधरेगी, परिवार का सहयोग मिलेगा और महत्वपूर्ण निर्णय सोचकर लें।
**वृषभ:** कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। रुके काम पूरे होंगे, धन लाभ के अवसर बनेंगे और स्वास्थ्य को लेकर सावधानी जरूरी।
**मिथुन:** कल बातचीत से कई समस्याएं सुलझेंगी। नौकरी में अवसर मिल सकता है, व्यापार में लाभ होगा और रिश्ते मजबूत होंगे।
**कर्क:** कल परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, धन संबंधी चिंता दूर होगी और यात्रा लाभदायक रह सकती है।
**सिंह:** कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाएं सफल होंगी। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।
**कन्या:** कल कामकाज में व्यस्तता रहेगी, लेकिन परिणाम अच्छे मिलेंगे। खर्च नियंत्रित रखें, परिवार में किसी सदस्य से मतभेद संभव है।
**तुला:** कल भाग्य आपका साथ देगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी।
**वृश्चिक:** कल महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं, लेकिन जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें और स्वास्थ्य संभालें।
**धनु:** कल नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। करियर में अवसर मिलेंगे, यात्रा संभव है और परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा।
**मकर:** कल कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत पहचान दिलाएगी। आर्थिक लाभ होगा, पुराने विवाद सुलझेंगे और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे।
**कुंभ:** कल सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। रुका धन मिल सकता है, नई जिम्मेदारी मिलेगी और मित्रों से महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होगी।
**मीन:** कल दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। नौकरी में सफलता मिलेगी, व्यापार बढ़ेगा, पारिवारिक सुख मिलेगा और निवेश में सावधानी बरतें।

# सांवलिया सेठ मंदिर में बिना जेब वाले कपड़ों में कर्मचारी गिनेंगे चढ़ावा

### मंदिर में चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था बदलेगी

### श्रीनाथजी मंदिर में चार स्तरीय होगी जांच

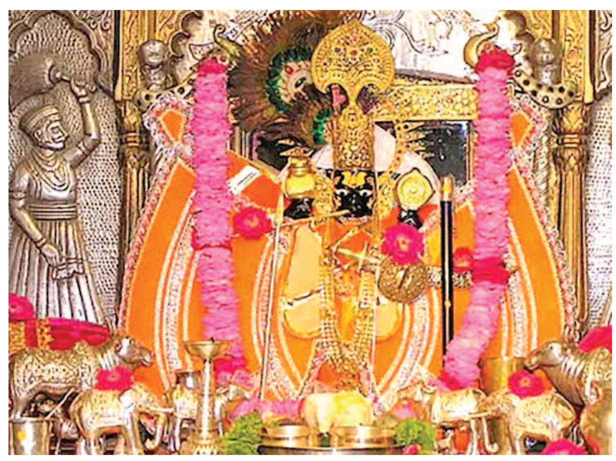

**यूनिक समय, मथुरा।** चित्तौड़गढ़ के प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर में चढ़ावे की गणना व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की तैयारी है। मंदिर प्रशासन ने कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाले विशेष कपड़े लागू करने, गणना कक्ष के बाहर धातु जांच द्वार लगाने और निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी। गिने गए नोटों को उसी दिन बैंक में जमा कराया जाएगा।

मंदिर मंडल के अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव के अनुसार, गणना में शामिल कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाले कपड़ों की व्यवस्था इसलिए की जा रही है, ताकि चढ़ावे को लेकर किसी तरह का संदेह न रहे। गणना कक्ष के बाहर द्वार-फ्रेम धातु जांच यंत्र लगाया जाएगा। इसके अलावा निगरानी कक्ष से कैमरों के माध्यम से पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी। जरूरत के अनुसार नई तकनीक और विशेषज्ञों के सुझाव भी व्यवस्था में शामिल किए जाएंगे।

वर्तमान में चढ़ावे की गणना मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट दिनेशचंद्र धाकड़ की देखरेख में होती है। पहले नोटों की गिनती जमीन पर की जाती थी, लेकिन अब विशेष ऊंची मेज पर नोट रखकर गणना की जाती है। गणना पूरी होने के बाद बैंक कर्मचारी उसी दिन राशि अपने सुपुर्द लेकर बैंक में जमा करते हैं। सोने-चांदी की भेंट पर तत्काल रसीद जारी करने की व्यवस्था भी है। मंदिर में हर अमावस्या से पहले चढ़ावे की गणना शुरू होती है और यह प्रक्रिया लगभग पांच से सात दिन तक चलती है। औसतन हर महीने करीब 35 करोड़ रुपये तक नकद चढ़ावा आने की जानकारी दी गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में नकद और ऑनलाइन माध्यम से मंदिर को 337.66 करोड़ रुपये मिले, जबकि वर्ष 2024-25 में यह राशि 235.96 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने सोना और चांदी भी बड़ी मात्रा में अर्पित की। नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में भी चढ़ावे की गणना व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन नई समिति गठित करने के साथ चार-स्तरीय जांच व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने की तैयारी में है। एक दल नोटों की गिनती करता है, जबकि दूसरी टीम मशीन से दोबारा सत्यापन करती है। इसके बाद बाहरी जांच और वैधानिक लेखा परीक्षण किया जाता है। यहां 18 दान पेटियों की गणना प्रक्रिया लगभग दो महीने तक चलती है। वित्त वर्ष 2025-26 में मंदिर को 25.69 करोड़ रुपये का चढ़ावा मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि आधुनिक तकनीक, कैमरा निगरानी और बहुस्तरीय जांच से दानराशि की सुरक्षा के साथ श्रद्धालुओं का भरोसा भी मजबूत होगा।

MANNAT GROUP

# रसोई में गुस्सा नहीं, शांत मन से बनाएं भोजन

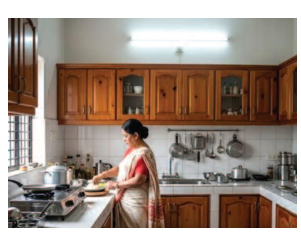

**यूनिक समय, मथुरा।** वास्तु शास्त्र की मान्यताओं में रसोई को घर की महत्वपूर्ण जगह माना गया है। माना जाता है कि भोजन बनाते समय व्यक्ति के मन के भाव और आसपास का वातावरण घर के माहौल पर भी असर डाल सकते हैं। इसी वजह से रसोई में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। हालांकि, ये बातें पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, इनका वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, भोजन बनाते समय गुस्सा, तनाव और चिड़चिड़ापन रखने से बचना चाहिए। अशांत मन से खाना बनाने के बजाय कुछ देर खुद को शांत करना बेहतर माना जाता है। छोटी बातों पर बहस या विवाद से भी रसोई का वातावरण बिगड़ सकता है। इसलिए खाना बनाते समय सहज और सकारात्मक माहौल रखने की सलाह दी जाती है। रसोई में पानी के पात्र साफ और व्यवस्थित रखने की भी सलाह दी जाती है।

मान्यता है कि स्वच्छता और व्यवस्था घर के सकारात्मक वातावरण को बनाए रखने में मदद करती है। इसके साथ ही रसोई में ऊंची आवाज में बोलने, कटु शब्दों या अपशब्दों के इस्तेमाल से बचने की परंपरा है। माना जाता है कि मधुर भाषा से घर का वातावरण शांत रहता है। भागदौड़ के कारण मन परेशान हो तो भोजन बनाने से पहले कुछ समय खुद को सहज करने का

### साफ पानी और मधुर व्यवहार पर दें विशेष ध्यान

प्रयास किया जा सकता है। अपनी आस्था के अनुसार प्रार्थना, मंत्र या मधुर संगीत मन को शांत करने में सहायक हो सकता है। भोजन तैयार होने के बाद उसे स्नेह और प्रसन्नता के साथ परोसने की परंपरा भी परिवार में अपनापन बढ़ाने से जोड़ी जाती है। भोजन केवल शरीर की जरूरत पूरी करने का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार के सदस्यों को साथ बैठने और आपसी संवाद का अवसर भी देता है। इसलिए रसोई में स्वच्छता, शांति और सकारात्मक व्यवहार बनाए रखना घर के सुखद वातावरण के लिए उपयोगी आदत मानी जा सकती है।

# तुलसी के पास ये चीजें रखना माना जाता है अशुभ

**यूनिक समय, मथुरा।** तुलसी का पौधा सनातन परंपरा में बेहद पवित्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार तुलसी को भगवान विष्णु की प्रिय और मां लक्ष्मी से जुड़ा पौधा माना गया है। वास्तु मान्यताओं में भी इसे घर में सकारात्मकता और सुख-समृद्धि से जोड़ा जाता है। इसलिए तुलसी के आसपास स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी जाती है। हालांकि, ये बातें धार्मिक और वास्तु मान्यताओं पर आधारित हैं, इनका वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

वास्तु मान्यता के अनुसार तुलसी के पास कूड़ेदान, कबाड़ या सफाई का सामान नहीं रखना चाहिए। झाड़ू, पोछा और अन्य अनुपयोगी वस्तुओं को भी इससे दूर रखने की सलाह दी जाती है।

### तुलसी के पास गंदगी और कूड़ा रखना उचित नहीं माना जाता

### जूते चप्पल और कांटेदार पौधों से रखें दूरी

माना जाता है कि साफ-सुथरा वातावरण सकारात्मकता बनाए रखने में सहायक होता है।

तुलसी के पास जूते-चप्पल रखने से भी बचने की धार्मिक परंपरा है। इसके अलावा कांटेदार पौधों को तुलसी के आसपास लगाने से भी बचने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि तुलसी के स्थान को शांत, स्वच्छ और व्यवस्थित रखने से घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

# चेहरे के तिल से चमकता है व्यक्तित्व, बनती है खास पहचान

**यूनिक समय, मथुरा।** सामुद्रिक शास्त्र में शरीर पर मौजूद तिलों को लेकर कई तरह की मान्यताएं बताई गई हैं। चेहरे के अलग-अलग हिस्सों पर बने तिलों के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव, व्यक्तित्व और जीवन से जुड़े संकेतों की व्याख्या की जाती है। हालांकि, ये बातें पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, इनका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों के माथे के मध्य यानी दोनों भौंहों के बीच तिल होता है, उन्हें बुद्धिमान और तेज दिमाग वाला माना जाता है। मान्यता है कि ऐसे लोगों में निर्णय लेने और नेतृत्व करने की क्षमता अच्छी होती है। इनकी स्मरण शक्ति भी मजबूत मानी जाती है। यही कारण है कि ये लोग अपने कार्यक्षेत्र में अलग पहचान बनाने में सफल हो सकते हैं। सामुद्रिक शास्त्र में यह भी माना जाता है कि ऐसे लोगों में महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास अधिक होता है। अपनी समझ और प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण ये समाज में सम्मान हासिल कर सकते हैं। कुछ मान्यताओं में ऐसे तिल को राजनीति और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में सफलता से भी जोड़ा गया है।

दाएं गाल पर तिल को भी सामुद्रिक शास्त्र में शुभ संकेतों से जोड़कर देखा जाता है।

मान्यता के अनुसार, ऐसे लोगों का स्वभाव सकारात्मक होता है और वे कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने की कोशिश करते हैं। इनमें रचनात्मकता और कला के प्रति रुचि होने की बात कही जाती है। ऐसे

### भौंहों के बीच तिल नेतृत्व क्षमता का संकेत माना जाता है

### दाएं गाल का तिल सकारात्मक सोच को दर्शाता

व्यक्ति अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर समाज में अलग पहचान बना सकते हैं। इनके बारे में यह भी माना जाता है कि वे असफलताओं से जल्दी निराश नहीं होते और लगातार आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं। उनका आत्मविश्वास आसपास के लोगों को भी प्रेरित कर सकता है। यही गुण इन्हें कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मददगार माने जाते हैं। सामुद्रिक शास्त्र में होंठ के नीचे मौजूद तिल को मधुर वाणी और अच्छे सामाजिक संबंधों से जोड़कर देखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर तिल वाले लोग बातचीत करने में कुशल होते हैं और अपनी बात प्रभावी ढंग से सामने रख सकते हैं। उनके व्यवहार में सहजता और अपनापन होने के कारण लोग उनसे जल्दी जुड़ जाते हैं। कहा जाता है कि इनकी मीठी बोली और आकर्षक व्यक्तित्व इन्हें लोकप्रिय बना सकता है। सामाजिक जीवन में ऐसे लोग अच्छे संबंध बनाए रखने में सफल माने जाते हैं।

हालांकि, चेहरे पर तिल होना पूरी तरह सामान्य शारीरिक विशेषता है। किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता, सफलता या स्वभाव का निर्धारण केवल तिल की स्थिति से नहीं किया जा सकता। सामुद्रिक शास्त्र से जुड़ी ये बातें धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं का हिस्सा हैं, इसलिए इन्हें उसी दृष्टि से देखना उचित है।

## सम्पादकीय

# श्मशान की साड़ियां बाजार में पहुंचीं, आस्था हुई तार-तार

श्मशान से उठकर बाजार तक पहुंचती साड़ियों और कपड़ों की खबर केवल चौंकाने वाली नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता और व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। इंदौर में सामने आए कथित कारोबार की तस्वीर यदि जांच में सही साबित होती है तो इसे केवल मध्यप्रदेश की घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और धार्मिक आस्था वाले राज्य में भी ऐसे मामलों की आशंका को देखते हुए निगरानी जरूरी है।

सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि कथित रूप से श्मशान घाटों से उतारी गई साड़ियां और कपड़े धोकर, प्रेस करके तथा नई पैकिंग में बाजार तक पहुंचाए जाते हैं।

पवन गौतम
संपादक

अनजान ग्राहक इन्हें सामान्य साड़ी या कपड़ा समझकर खरीदता है। कई लोग इन्हें पूजा-पाठ, शादी-विवाह या शुभ अवसरों पर पहनते हैं। यानी खरीदने वाला वस्तु के साथ उसकी वास्तविक कहानी से पूरी तरह अनजान रहता है।

व्यंग्य देखिए, बाजार कपड़े की गंदगी धो सकता है, उस पर खुशबू छिड़क सकता है और चमकदार पैकिंग कर सकता है, लेकिन क्या उसकी कहानी भी धो सकता है? अगर किसी मृतक से जुड़े वस्त्र को नया बताकर बेचा जा रहा है तो यह सिर्फ कारोबार नहीं, ग्राहक के विश्वास के साथ धोखा है।

उत्तर प्रदेश में मथुरा-वृंदावन, अयोध्या, काशी और प्रयागराज जैसे धार्मिक शहरों में वस्त्र और पूजा सामग्री का बड़ा बाजार है। यहां श्रद्धालु आस्था के भरोसे खरीदारी करते हैं। ऐसे में प्रशासन को श्मशान घाटों से निकलने वाले कपड़ों और साड़ियों के संग्रह तथा निस्तारण की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

साड़ी का मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि हमारे समाज में यह केवल पहनावा नहीं, बल्कि शुभता और पारिवारिक परंपरा से जुड़ी वस्तु है। शादी या पूजा के लिए खरीदी गई साड़ी यदि अनजाने में श्मशान से निकली हुई हो तो ग्राहक के साथ आर्थिक ही नहीं, भावनात्मक छल भी है।

यह बहस धर्म बनाम विज्ञान की नहीं है। मुद्दा साफ है-उपभोक्ता को वस्तु की वास्तविक जानकारी मिलनी चाहिए। पुराने कपड़ों के पुनर्चक्रण और मृतकों से जुड़े वस्त्रों को छिपाकर बेचने में बड़ा अंतर है।

यूपी सरकार और स्थानीय प्रशासन को श्मशान घाटों की व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए। यदि कहीं ऐसी सामग्री को अवैध रूप से बाजार तक पहुंचाने का प्रमाण मिले तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। श्मशान अंतिम संस्कार का स्थान है, व्यापार का गोदाम नहीं। मुनाफे की भूख यदि वहां तक पहुंच गई है तो कार्रवाई भी उतनी ही सख्त होनी चाहिए। वरना बाजार में अगली आवाज यही होगी-साड़ी नई है साहब, बस कहानी पुरानी है!

## नजरिया

# जेब पर डाका, इलाज और शिक्षा कब बनेगी जिम्मेदारी?

बोध प्रकाश सगुणी

देश में स्वास्थ्य और शिक्षा को लंबे समय से सेवा के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन बीते कुछ दशकों में निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और स्कूलों के तेजी से विस्तार ने इन दोनों क्षेत्रों को बड़े कारोबार में बदल दिया है। निजी क्षेत्र ने सुविधाएं बढ़ाई हैं, आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए हैं और सरकारी संस्थानों पर दबाव भी कम किया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर सवाल लगातार बड़ा होता गया है-क्या इलाज और शिक्षा आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही है?

निजी अस्पतालों की महंगी व्यवस्था को लेकर संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट ने इस सवाल को एक बार फिर सामने ला दिया है। रिपोर्ट के अनुसार सरकारी अस्पतालों में इलाज पर औसत खर्च करीब 6,631 रुपये है, जबकि निजी अस्पतालों में यही खर्च लगभग 50,508 रुपये तक पहुंच जाता है। यानी दोनों के बीच भारी अंतर है। यह अंतर केवल बेहतर सुविधाओं की कीमत नहीं माना जा सकता, क्योंकि समस्या तब गंभीर हो जाती है जब मरीज और उसके परिजनों को इलाज शुरू होने से पहले संभावित कुल खर्च की स्पष्ट जानकारी तक नहीं दी जाती।

सबसे बड़ी परेशानी अस्पताल के बिल की पारदर्शिता को लेकर है। मरीज जब अस्पताल पहुंचता है तो उसका पहला उद्देश्य बीमारी से राहत पाना होता है। ऐसे समय में वह अस्पताल के शुल्क, जांच, चिकित्सकीय परामर्श, दवाओं और अन्य सेवाओं के अलग-अलग खर्चों की बारीकी से जांच नहीं कर पाता। बीमारी और चिंता के बीच परिवार इलाज को प्राथमिकता देता है और अस्पताल के बिल को मजबूरी में स्वीकार करता है। कमरे का किराया भी इसी व्यवस्था का एक बड़ा उदाहरण है। समिति ने जिन आंकड़ों की ओर ध्यान दिलाया है, उनमें निजी अस्पतालों के कमरों का किराया आसपास के होटलों से कई गुना अधिक बताया गया है। सवाल यह नहीं है कि अस्पताल को कमरे का कितना शुल्क लेना चाहिए। सवाल यह है कि क्या अस्पताल में भर्ती मरीज को ऐसी दरें वसूलना उचित है, जिनका उसकी बीमारी या इलाज की वास्तविक लागत से कोई सीधा संबंध नहीं है?

संसदीय समिति ने इसी कारण सुझाव दिया है कि निजी अस्पतालों में कमरों का किराया तीन सितारा होटलों की दर से अधिक नहीं होना चाहिए। गंभीर बीमारी और शल्य चिकित्सा के मामलों में मरीज को पहले से अनुमानित कुल खर्च बताया जाना चाहिए। साथ ही ऐसी सेवाओं के लिए निश्चित दरें तय हों और उनमें सभी संबंधित खर्च शामिल किए जाएं। यह सुझाव केवल मरीजों को राहत देने वाला कदम नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल हो सकता है।

लेकिन यहां सरकार की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। निजी अस्पतालों पर नियंत्रण की चर्चा तब तक अधूरी रहेगी, जब तक सरकारी अस्पतालों को पर्याप्त संसाधन नहीं मिलते। सरकारी अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, जांच सुविधाओं को मजबूत करना और ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा व्यवस्था बेहतर करना जरूरी है। यदि सरकारी अस्पताल मजबूत होंगे तो निजी अस्पतालों की मनमानी पर स्वाभाविक दबाव बनेगा। साथ ही सरकार को दरें तय करते समय देश की विविधता का भी ध्यान रखना होगा। दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में चिकित्सा सेवाओं की लागत और छोटे शहरों या दूरदराज के क्षेत्रों की लागत एक जैसी नहीं हो सकती। यदि महानगरों के आधार पर पूरे देश के लिए दरें तय की गईं तो छोटे शहरों के अस्पताल भी उसी दर को आधार बनाकर मरीजों से अधिक वसूली शुरू कर सकते हैं। इसलिए किसी भी नई व्यवस्था में क्षेत्रवार लागत, सुविधाओं और स्थानीय परिस्थितियों का वैज्ञानिक आकलन जरूरी है। विडंबना यह है कि निजी स्वास्थ्य क्षेत्र की समस्या शिक्षा क्षेत्र से अलग नहीं है। स्कूलों और कॉलेजों में भी शुल्क, किताबें, वर्दी, परिवहन, गतिविधियों और तकनीकी सुविधाओं के नाम पर अभिभावकों पर लगातार आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। एक छोटे बच्चे की शिक्षा अब केवल मासिक शुल्क तक सीमित नहीं रह गई है। प्रवेश के समय से लेकर वर्ष भर तक अलग-अलग मदों में खर्च जुड़ते चले जाते हैं। निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस तो मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती

बन चुकी है। महंगी चिकित्सा शिक्षा के कारण प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल आर्थिक क्षमता के अभाव में अपने सपनों से दूर हो जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य अवसरों का विस्तार होना चाहिए, लेकिन यदि अच्छी शिक्षा की कीमत इतनी अधिक हो जाए कि बड़ी आबादी उसे वहन ही न कर सके तो यह व्यवस्था सामाजिक असमानता को और बढ़ाएगी। स्कूलों में तकनीक के नाम पर होने वाली वसूली भी जांच का विषय बननी चाहिए। स्मार्ट कक्षा, स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल सुविधाएं शिक्षा को आधुनिक बनाने के लिए उपयोगी हो सकती हैं, लेकिन इनके नाम पर लगातार शुल्क लेना और उसके बदले वास्तविक शैक्षिक उपयोग न होना सवाल खड़े करता है। यदि किसी सुविधा का खर्च वर्षों तक विद्यार्थियों से लिया जा रहा है तो अभिभावकों को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उस सुविधा पर वास्तविक खर्च कितना हुआ और उसका इस्तेमाल किस प्रकार किया जा रहा है। यहां समस्या केवल निजी संस्थानों की नहीं है। निगरानी व्यवस्था की कमजोरी भी उतनी ही जिम्मेदार है। यदि नियम मौजूद हैं लेकिन उनका पालन सुनिश्चित करने वाला तंत्र कमजोर है तो कानून कागजों तक सीमित रह जाते हैं। अस्पतालों और स्कूलों के लिए स्पष्ट शुल्क संरचना, नियमित लेखा परीक्षण, शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था और उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

सरकारों को यह भी तय करना होगा कि निजी क्षेत्र को सेवा और कारोबार के बीच संतुलन कैसे बनाए रखना है। निजी संस्थानों को उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन मुनाफे की सीमा वहां खत्म होनी चाहिए जहां मरीज की मजबूरी या अभिभावक की चिंता का फायदा उठाया जाने लगे। संसदीय समिति की रिपोर्ट इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने समस्या को केवल निजी अस्पतालों की महंगी सेवाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। अब असली परीक्षा सरकार की है। रिपोर्ट पर चर्चा, बयान और घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। जरूरत इस बात की है कि सिफारिशों को स्पष्ट नियमों और समयबद्ध कार्रवाई में बदला जाए। पिछले तीन दशकों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें सत्ता में रही हैं। निजी अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों का विस्तार भी इसी दौरान हुआ है। इसलिए इस समस्या की जिम्मेदारी किसी एक दल या सरकार पर डालकर बचा नहीं जा सकता। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने ही शायद इस समस्या को इतना बड़ा होने दिया है। देश को ऐसे स्वास्थ्य और शिक्षा तंत्र की जरूरत है जिसमें निजी क्षेत्र की भूमिका भी बनी रहे और आम नागरिक के हितों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। अस्पताल मरीज को ग्राहक नहीं, इंसान समझें और स्कूल विद्यार्थी को फीस देने वाली इकाई नहीं, भविष्य का नागरिक मानें-यही किसी स्वस्थ व्यवस्था की पहचान होगी।

अब सवाल फिर वही है, लेकिन पहले से अधिक गंभीर है-जब इलाज और शिक्षा दोनों ही परिवार की सबसे बड़ी जरूरत हैं, तो इन्हें जेब पर सबसे बड़ा बोझ बनने से आखिर कौन रोकेगा? संसदीय समिति ने रास्ता दिखाया है। अब सरकारों को यह साबित करना होगा कि रिपोर्ट सिर्फ फाइलों में बंद होने के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने के लिए है।

## विचार विंडो

# खेल से खुलते दिल, मजबूत होते हैं कार्यस्थल के रिश्ते

राम प्रकाश शर्मा

आज के कॉरपोरेट संसार में सफलता का पैमाना केवल कारोबार, लाभ और लक्ष्य हासिल करना नहीं रह गया है। किसी भी संस्था की वास्तविक ताकत उसके कर्मचारियों के बीच भरोसे, संवाद और सहयोग में छिपी होती है। मशीनों, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते दौर में भी इंसानी रिश्तों की जरूरत कम नहीं हुई है। बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव और प्रतिस्पर्धा ने कर्मचारियों के बीच दूरी और अकेलेपन की भावना को और गहरा किया है। यही कारण है कि कंपनियां अब टीम निर्माण की पारंपरिक बैठकों से बाहर निकलकर ऐसे प्रयोग कर रही हैं, जो पहली नजर में बचकाने या अजीब लग सकते हैं। किसी वरिष्ठ अधिकारी को बोरी में पैर डालकर दौड़ाना, कर्मचारियों को मिलकर खाना बनवाना, बच्चों जैसे खेल खिलाना या खुले मैदान में सामूहिक गतिविधियां कराना सुनने में भले ही मजेदार लगे, लेकिन इनके पीछे प्रबंधन की गंभीर सोच छिपी है। दरअसल, दफ्तर में पद और जिम्मेदारी के बीच जो दूरी बन जाती है, वह सामान्य बातचीत में आसानी से नहीं टूटती। एक वरिष्ठ अधिकारी के सामने नया कर्मचारी अपनी बात कहने में झिझक सकता है। उसे यह डर भी रहता है कि कहीं उसकी बात गलत न समझ ली जाए। दूसरी ओर वरिष्ठ अधिकारी भी अपने पद की औपचारिकता के कारण कर्मचारियों से सहज संवाद नहीं कर पाते। ऐसे में खेल एक ऐसा माध्यम बन जाता है, जहां कुछ देर के लिए पद, विभाग और वरिष्ठता पीछे छूट जाते हैं।

यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आधुनिक कार्यस्थल में अकेलापन एक बड़ी समस्या बनकर सामने आया है। कर्मचारी एक ही कार्यालय में घंटों साथ बैठते हैं, बैठकें करते हैं, संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके बीच वास्तविक जुड़ाव कमजोर होता जा रहा है। तकनीक ने संवाद को आसान बनाया है, मगर आत्मीयता को जरूरी नहीं कि मजबूत किया हो।

यही विरोधाभास आज के कॉरपोरेट जीवन की सबसे बड़ी चुनौती है। कर्मचारी संगठन से वेतन और सुविधाओं के साथ सम्मान, भरोसा और अपनापन भी चाहते हैं। यदि उन्हें लगे कि संस्था केवल उनसे लक्ष्य पूरा कराने में रुचि रखती है, तो उनके भीतर काम के प्रति भावनात्मक जुड़ाव कमजोर हो सकता है। इसके विपरीत जब कंपनी कर्मचारी को व्यक्ति के रूप में समझने की कोशिश करती है तो काम के प्रति उसकी प्रतिबद्धता भी बढ़ सकती है।

टीम निर्माण की गतिविधियां इसी खालीपन को भरने का प्रयास हैं। इनमें बच्चों के खेलों को शामिल करने के पीछे भी एक मनोवैज्ञानिक कारण

है। बचपन में दोस्ती करने के लिए पद, पैसा, उम्र और सामाजिक स्थिति जैसी चीजें मायने नहीं रखतीं। खेल के मैदान में हर व्यक्ति बराबर होता है। जीतने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करना पड़ता है और हारने पर साथ हंसना पड़ता है। यही सहजता जब कार्यालय के रिश्तों में आती है तो औपचारिक दीवारें कमजोर होने लगती हैं। कई बार एक साधारण खेल उस बातचीत की शुरुआत कर देता है, जिसे महीनों की औपचारिक बैठकों के बावजूद शुरू नहीं किया जा सका। जब वरिष्ठ अधिकारी और कनिष्ठ कर्मचारी किसी चुनौती को मिलकर पूरा करते हैं तो दोनों एक-दूसरे को अलग नजरिए से देखने लगते हैं। अधिकारी को कर्मचारी की क्षमता और सोच समझ आती है, जबकि कर्मचारी को अधिकारी का मानवीय पक्ष दिखाई देता है। हालांकि टीम निर्माण के नाम पर केवल मनोरंजन कराना पर्याप्त नहीं है। यदि कंपनी के भीतर काम का वातावरण विषाक्त है, कर्मचारियों की शिकायतों को नजरअंदाज किया जाता है, काम का बोझ असमान है या वरिष्ठ अधिकारी लगातार भय का वातावरण बनाए रखते हैं, तो एक दिन का खेल उस समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर सकता। टीम निर्माण तभी प्रभावी होगा, जब उसे संगठन की व्यापक कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाया जाए।

इसके लिए कंपनियों को कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा। कर्मचारियों की बात सुनी जाए, उन्हें निर्णय प्रक्रिया में उचित भागीदारी दी जाए, नए कर्मचारियों को सहज माहौल मिले और वरिष्ठ-कनिष्ठ के बीच संवाद की नियमित व्यवस्था हो। केवल वार्षिक आयोजन या मनोरंजक गतिविधियां कराकर टीम भावना पैदा नहीं की जा सकती। आज की युवा पीढ़ी विशेष रूप से सम्मान और उद्देश्यपूर्ण काम को महत्व देती है। वह केवल आदेश मानने वाली कार्यशक्ति नहीं बनना चाहती। वह यह समझना चाहती है कि उसका काम संस्था और समाज के लिए क्यों महत्वपूर्ण है। इसलिए कंपनियों को युवाओं के साथ संवाद की नई भाषा सीखनी होगी। यहां खेल और रचनात्मक गतिविधियां प्रभावी पुल बन सकती हैं। क्रिकेट, गोल्फ या बड़े खेल आयोजनों की अपनी उपयोगिता है, लेकिन छोटे और सहज खेल कई बार ज्यादा प्रभावी साबित हो सकते हैं। क्योंकि उनका उद्देश्य प्रतिस्पर्धा से ज्यादा सहयोग होता है। किसी कठिन लक्ष्य को मिलकर पूरा करना कर्मचारियों को यह अनुभव देता है कि अकेले की तुलना में टीम के साथ आगे बढ़ना ज्यादा आसान है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि ऐसे कार्यक्रम केवल दिखावे के लिए न हों। यदि कंपनी सामाजिक माध्यमों पर तस्वीरें साझा करने के लिए कर्मचारियों को खेल खिलाती है, लेकिन अगले दिन कार्यालय में वही पुराना तनाव और अविश्वास लौट आता है, तो पूरा प्रयास औपचारिकता बनकर रह जाता है।

असल जरूरत कर्मचारियों के भीतर छिपी सहजता को वापस लाने की है। बचपन में हम सवाल पूछने, असफल होने, फिर कोशिश करने और साथियों से मदद लेने में संकोच नहीं करते थे। उम्र बढ़ने के साथ पद, प्रतिष्ठा और असफलता का डर हमारे व्यवहार को नियंत्रित करने लगता है। अच्छी टीम निर्माण गतिविधियां इसी डर को कुछ देर के लिए किनारे करने का अवसर देती हैं।

निष्कर्ष यह है कि कार्यालय में मशीनों जैसी दक्षता से ज्यादा जरूरी इंसानों जैसा जुड़ाव है। कर्मचारी जब अपने साथ काम करने वालों को केवल पदनाम नहीं, बल्कि साथी के रूप में देखने लगते हैं, तभी टीम वास्तव में टीम बनती है। भीतर के बच्चे को जगाने वाले खेल इसलिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भरोसे, संवाद और सहयोग की नई शुरुआत भी हो सकते हैं।

# हसन की आंधी में ढही ऑस्ट्रेलिया

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम 198 रन पर सिमट गई। यह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का न्यूनतम स्कोर 217 रन था, जो 2017 में मीरपुर टेस्ट में बना था। जवाब में पहले दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने एक विकेट पर 96 रन बना लिए।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। लंच तक टीम ने 74 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। जेक वेदराल्ड 23 और ट्रैविस हेड भी पवेलियन लौट गए। मार्नस लाबुशेन केवल एक रन बना सके, जबकि कैमरन ग्रीन 13 रन के निजी स्कोर पर आउट हुए।

इसके बाद स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की, जो ऑस्ट्रेलिया की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। कैरी 19 रन बनाकर आउट हुए। स्मिथ ने एक छोर संभाले रखा और 109 गेंदों में 71 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने सात चौके और एक छक्का लगाया।

स्मिथ के आउट होते ही ऑस्ट्रेलियाई पारी फिर बिखर गई। ब्यू वेबस्टर ने 12, पैट कमिंस ने नौ और मिचेल स्टार्क ने एक रन बनाया। नाथन लायन सात रन बनाकर आउट हुए। हसन महमूद ने लायन को आउट करके पारी में अपना छठा विकेट हासिल किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 ओवर में 55 रन देकर छह विकेट लिए। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने वेदराल्ड, हेड, स्मिथ, कमिंस, स्टार्क और लायन को अपना शिकार बनाया। तस्कीन अहमद और इबादत हुसैन ने दो-दो विकेट लिए।

हसन के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में तीन बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड हो गया है। उनके तीनों पांच विकेट हॉल विदेशी जमीन पर आए हैं। 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले हसन बांग्लादेश के प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का खराब

### पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया 198 रन पर सिमटी
### स्मिथ की पारी के बावजूद टीम नहीं संभली
### तेज गेंदबाज ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया
### लाबुशेन की खराब फॉर्म फिर चिंता बनी

दौर इस मुकाबले में भी जारी रहा। वह 20 गेंदों का सामना करने के बाद केवल एक रन बनाकर आउट हुए। खाता खोलने के लिए उन्हें 14 गेंदों का इंतजार करना पड़ा। लगातार आठवीं टेस्ट पारी में वह 50 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। दिसंबर के बाद से उनके बल्ले से टेस्ट क्रिकेट में अर्धशतक नहीं निकला है। दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश ने 96 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बना दिया है। अब उसकी कोशिश पहली पारी में बढ़त हासिल कर मैच पर मजबूत पकड़ बनाने की होगी।

# जूनियर आर्टिस्ट से सीता तक साई की उड़ान

### कंगना के पीछे दिखीं अब सीता बनीं साई
### डांस शो से निकली प्रेमम ने बदली किस्मत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** साई पल्लवी की कहानी संघर्ष, आत्मविश्वास और अपने फैसलों पर कायम रहने की मिसाल है। कभी फिल्मों में जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर नजर आईं साई आज भारतीय सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हैं। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण में वह माता सीता का किरदार निभा रही हैं।

साई ने महज 23 साल की उम्र में फिल्म प्रेमम से अभिनय की शुरुआत की थी। मेडिकल की पढ़ाई के दौरान मिले इस अवसर को उन्होंने अपनी शर्तों पर स्वीकार किया। उन्होंने मेकअप और छोटे कपड़े पहनने से इनकार किया और पढ़ाई के बीच छुट्टियों में ही फिल्म की शूटिंग पूरी की। फिल्म सफल रही और साई को कई पुरस्कार मिले। इससे पहले वह कंगना रनोट की फिल्म धाम धूम में जूनियर आर्टिस्ट के रूप में नजर आई थीं। डांस रियलिटी शो में भी उन्होंने हिस्सा लिया, लेकिन जीत नहीं सकीं। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। इसके बाद फिदा, मारी 2, लव स्टोरी जैसी फिल्मों ने उनकी पहचान मजबूत की। कई बड़े प्रस्ताव उन्होंने किरदार की गहराई या अपनी पसंद के खिलाफ होने पर ठुकरा दिए। अब रणबीर कपूर के साथ रामायण में सीता की भूमिका साई के करियर का सबसे बड़ा पड़ाव मानी जा रही है। यह सफर बताता है कि सफलता के लिए प्रतिभा के साथ अपने फैसलों पर भरोसा रखना भी जरूरी है।

# चिरंजीवी के चरणों में झुके पोटी मामा हुए भावुक

### आइडल से मिलकर रो पड़े, अभिनेता ने गले लगाया
### चोट के बावजूद वरुण ने लिया चाचा का आशीर्वाद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अभिनेता चिरंजीवी से मिलने की वर्षों पुरानी इच्छा पूरी होने पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पोटी मामा भावुक हो गए। फिल्म कोरियन कनकराजू के सफलता समारोह में वह दर्शकों के बीच बैठे चिरंजीवी के पास पहुंचे और उनके पैर छूते हुए भावुक होकर रोने लगे। चिरंजीवी ने उन्हें तुरंत उठाकर गले लगाया और अपने पास बैठाया। बाद में उन्होंने पोटी मामा को अपनी तस्वीर भी भेंट की। पोटी मामा का वास्तविक नाम भीमवरम रविंद्र है। वह पुरानी फिल्मों के गीतों पर बनाए डांस वीडियो के लिए पहचाने जाते हैं। इसी कार्यक्रम में फिल्म के अभिनेता और चिरंजीवी के भतीजे वरुण तेज भी उनका आशीर्वाद लेने पहुंचे। पैर में चोट होने के बावजूद वरुण ने झुककर चिरंजीवी के पैर छुए। चिरंजीवी ने उन्हें संभालते हुए आशीर्वाद दिया। कोरियन कनकराजू का निर्देशन मेरलपाका गांधी ने किया है। फिल्म में वरुण तेज के साथ रितिका नायक और सत्या प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह हास्य और डरावने प्रसंगों से भरपूर कहानी है, जिसमें एक युवक के शरीर में कोरियाई गैंगस्टर की आत्मा प्रवेश कर जाती है। फिल्म सात अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

# श्रीदेवी की बायोग्राफी खोलेगी जिंदगी के अनकहे राज

### प्रियंका ने जयंती पर किताब का कवर साझा किया
### बचपन से फिल्मी सफर तक दर्ज होंगी यादें

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की जिंदगी अब किताब के जरिए एक बार फिर दर्शकों के सामने आने वाली है। उनकी जयंती पर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने श्रीदेवी की प्रस्तावित जीवनी 'एम्प्रेस- द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ श्रीदेवी' का कवर सोशल मीडिया पर साझा किया। निर्माता बोनी कपूर ने भी प्रियंका की पोस्ट को अपनी कहानी में साझा किया।

किताब के लेखक धीरज यू. कुमार हैं। इसमें श्रीदेवी के शानदार फिल्मी सफर के साथ उनकी निजी जिंदगी और पर्दे के पीछे की कई अनकही बातों को शामिल किए जाने की उम्मीद है। श्रीदेवी ने अपने अभिनय और

अलग अंदाज से हिंदी सिनेमा में खास पहचान बनाई थी।

बताया जाता है कि धीरज कुमार श्रीदेवी के परिवार के करीबी रहे हैं और अभिनेत्री उन्हें परिवार का हिस्सा मानती थीं। ऐसे में उनके जीवन पर लिखी जा रही किताब को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

जीवनी में श्रीदेवी के बचपन, शुरुआती संघर्ष, दक्षिण भारतीय फिल्मों से शुरुआत और हिंदी सिनेमा में सफलता के दौर को जगह मिलने की संभावना है। 1980 और 1990 के दशक में उनका प्रभाव भी प्रमुखता से सामने आ सकता है।

# बंटवारा 1947 में सनी देओल की अदाकारी ने जीता दिल

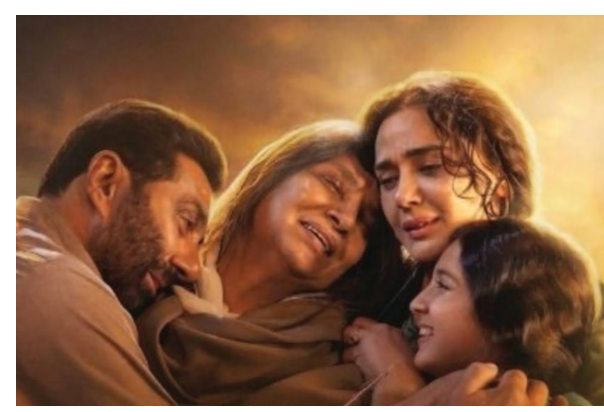

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले हुई विशेष स्क्रीनिंग के बाद फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म निर्माता रमेश तौरानी ने इसे मानवीय संवेदनाओं और करुणा से जुड़ी प्रभावशाली कहानी बताया।

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1947 के भारत-पाक विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। कहानी उस दौर के तनाव, रिश्तों और इंसानियत को केंद्र में रखती है। सनी देओल के अभिनय की विशेष तौर पर सराहना हुई है। शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल के काम को भी प्रभावी बताया गया है।

अभिमन्यु सिंह फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आए हैं। उनके किरदार को कहानी में तनाव बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण हिस्सा बताया जा रहा है। फिल्म में सनी देओल एक मुस्लिम व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं,

### भावना से भरी कहानी ने दर्शकों को छुआ
### अभिमन्यु के खलनायकी अंदाज ने बढ़ाया तनाव
### रिश्तों और इंसानियत पर केंद्रित है कहानी

जो विभाजन के दौरान लाहौर पहुंचता है। वहां उसका सामना एक बुजुर्ग हिंदू महिला से होता है। बढ़ते तनाव के बीच सनी का किरदार उस महिला की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाता है। फिल्म में विभाजन की त्रासदी के बीच इंसानियत और आपसी भरोसे को उभारा गया है। प्रीति जिंटा भी लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वहीं, सनी और करण देओल पहली बार साथ नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आमिर खान और अर्पणा पुरोहित ने किया है।

# डब्ल्यूटीसी की डगर में श्रीलंका का सबसे बड़ा इम्तिहान

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में भारतीय टीम के लिए आगे की राह बेहद चुनौतीपूर्ण है। टीम अपने अभियान के आधे मुकाबले खेल चुकी है और फिलहाल 48.15 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। अब भारत के सामने श्रीलंका की चुनौती है। दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी। इस सीरीज का परिणाम फाइनल की दौड़ में भारतीय टीम की स्थिति पर बड़ा असर डाल सकता है।

भारत को मौजूदा चक्र में अभी नौ टेस्ट खेलने हैं। इनमें श्रीलंका के खिलाफ दो, न्यूजीलैंड के खिलाफ दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मुकाबले शामिल हैं। फाइनल में जगह बनाने के लिए अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान हासिल करना जरूरी है।

अगर भारतीय टीम अपने बाकी सभी नौ मुकाबले जीत लेती है तो उसके 74.07 प्रतिशत अंक हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में टीम का फाइनल में पहुंचना लगभग तय हो जाएगा। हालांकि, एक भी मुकाबला गंवाने पर प्रतिशत घटकर 68.52 रह जाएगा और फिर भारत को अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा। दो हार की स्थिति में फाइनल की उम्मीदों को बड़ा झटका लग सकता है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां खराब प्रदर्शन से भारत की स्थिति और कमजोर होगी। दो मैचों में हार मिलने पर टीम के अंक प्रतिशत में भारी गिरावट आएगी और वह अंक तालिका में नीचे खिसक सकती है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान सहित अन्य दावेदार भी भारत से आगे निकलने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। भारत का अभियान इंग्लैंड दौरे से शुरू हुआ था,

### सभी नौ मैच जीतने पर भारत का होगा स्थान पक्का
### हार मिलते ही समीकरण दूसरे नतीजों पर टिकेंगे

जहां पांच टेस्ट की सीरीज 2-2 से बराबर रही। इसके बाद घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को दो टेस्ट में हराया गया। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज में भारत को 2-0 से हराकर उसकी स्थिति कमजोर कर दी।

श्रीलंका के बाद भारत नवंबर में न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। इसके बाद घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले जाएंगे। इन नौ मुकाबलों में प्रदर्शन ही तय करेगा कि भारतीय टीम खिताबी मुकाबले तक पहुंच पाएगी या नहीं।

# चीन में भी गूंजेगा रणबीर-यश की रामायण का डंका

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** रणबीर कपूर और यश अभिनीत रामायण अब चीन में भी रिलीज होगी। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म को चीनी दर्शकों के लिए 'रामायणः द लेजेंड ऑफ द प्रिंस' नाम दिया गया है। फिल्म नवंबर में सिनेमाघरों में पहुंचेगी। वितरण सोनी पिक्चर्स करेगी।

फिल्म में रणबीर भगवान राम, यश रावण और साई पल्लवी सीता की भूमिका निभा रहे हैं। सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। चीन में नितेश तिवारी की पहचान दंगल के निर्देशक के तौर पर है, जिसने वहां शानदार सफलता हासिल की थी।

### पिता की मौत के बाद कागज पर निशान लगवाने का आरोप

# मृत पिता के अंगूठे से लगवाए जमीन के कागज पर निशान

**यूनिक समय, लखनऊ।** रहीमाबाद क्षेत्र के खड़ौहा गांव में पिता की मौत के बाद जमीन से जुड़े कागज पर उनके अंगूठे का निशान लगवाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बेटे ने मृत पिता के शव से सादे कागज पर अंगूठे का निशान लगवाया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद गांव में लोगों में नाराजगी है।

ग्रामीणों के मुताबिक, बुजुर्ग छत्रपाल और उनकी पत्नी शिवदेवी लंबे समय से बेटियों के सहारे रह रहे थे। आरोप है कि वर्ष 2023 में बेटे महेंद्र और उसकी पत्नी से विवाद के बाद दोनों बुजुर्गों को पैतृक घर से निकलना पड़ा था। इसके बाद वे रिश्तेदारों और अपनी बेटियों के घर रहने लगे।

परिवार के अनुसार, छत्रपाल के पास करीब साढ़े छह बीघा जमीन थी। उन्होंने अपनी तीन बेटियों को एक-एक बीघा जमीन देने की बात कही थी। वहीं बेटे और बहू से नाराज होकर उन्हें संपत्ति से बेदखल करने की सार्वजनिक सूचना भी प्रकाशित कराई गई थी। बेटी सुमन के अनुसार, सात जुलाई को 75 वर्षीय छत्रपाल की तबीयत खराब हुई थी। इसकी सूचना महेंद्र को भी दी गई। आरोप है कि महेंद्र और उसकी पत्नी परिजनों के साथ पहुंचे और विवाद के बाद पिता को इलाज कराने के नाम पर अपने साथ ले गए। नौ जुलाई को उनकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, अंतिम

### घटना का वीडियो सामने आने से गांव में मचा हड़कंप

### इलाज के लिए ले गए तीन दिन बाद हुई मृत्यु

संस्कार के दौरान भी बहनों के साथ विवाद हुआ। इसी बीच मृतक के अंगूठे का निशान कागज पर लगवाने की घटना सामने आई। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बना लिया, जो बाद में सामने आया। बेटियों की सेवा की ग्रामीणों ने सराहना की घटना के बाद ग्रामीणों ने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और पारिवारिक रिश्तों को लेकर चिंता जताई। लोगों ने मृतक की बेटियों द्वारा माता-पिता की देखभाल किए जाने की सराहना की। मामले में लगाए गए आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

# मंदिर परिसर में दफन मिले दो दोस्तों के शव, महंत फरार

**यूनिक समय, बागपत।** सिंगौली तगा गांव से 25 जुलाई को लापता हुए दो दोस्तों के शव लहचौड़ा स्थित गणेश मंदिर परिसर में दफन मिले हैं। पुलिस ने बुधवार देर रात खुदाई कर 28 वर्षीय इसरार और दिव्यांग अंकित के शव बरामद किए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

परिजनों के मुताबिक, इसरार और अंकित 25 जुलाई को बाइक से घूमने निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। काफी तलाश के बाद 27 जुलाई को चांदीनगर थाने में दोनों की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस जांच के दौरान मंदिर से जुड़े कुछ सुराग मिलने पर वहां के महंत नरेश नाथ से पूछताछ का प्रयास किया गया, लेकिन वह फरार मिला। पुलिस ने शक के आधार पर महंत के दो शिष्यों को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद मंदिर परिसर में खुदाई कराई गई, जहां दोनों युवकों के शव दबे मिले। पुलिस ने

### मंदिर में बन रहा था गुप्त कमरा, उठे सवाल

### महंत से पूछताछ से पहले फरार हुआ आरोपी

शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और फरार महंत की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, नरेश नाथ करीब एक साल से मंदिर में रह रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि वह नियमित रूप से प्रवचन देकर लोगों को अपराध से दूर रहने की सीख देता था। इसी दौरान मंदिर परिसर में एक गुप्त कमरा बनवाया जा रहा था, जिसका ग्रामीणों ने विरोध भी किया था। शव मिलने के बाद इस निर्मपत्नीाण को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस हत्या के कारण और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही

# उद्घाटन के महीनेभर बाद एक्सप्रेसवे पर मिले 64 गड्ढे

**यूनिक समय, लखनऊ।** उद्घाटन के महज एक महीने बाद लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब 63 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के लगभग 45 किलोमीटर के ग्रीनफील्ड हिस्से की पड़ताल में 64 छोटे-बड़े गड्ढे मिले। हालांकि इनमें से ज्यादातर को भर दिया गया है, लेकिन कई स्थानों पर सड़क की मरम्मत और दोबारा निर्माण का काम अभी जारी है।

13 जुलाई को शुरू हुए इस एक्सप्रेसवे पर करीब 45 मिनट में लखनऊ से कानपुर पहुंचने का दावा किया गया था। मरम्मत कार्य और सड़क की स्थिति के कारण वास्तविक यात्रा समय करीब 70 मिनट तक पहुंच रहा है। कई स्थानों पर वाहनों को एक ही लेन से गुजरना पड़ रहा है।

जांच में कई स्थानों पर पहले किया गया पैचवर्क उखड़ा मिला। कुछ जगह लंबी पट्टियों में मरम्मत की जा रही थी, जबकि कहीं सड़क की सतह काटकर

### 45 किलोमीटर हिस्से में जगह-जगह मरम्मत का काम जारी

### पैचवर्क उखड़ा, नालियों और पुलों पर भी सुधार जारी

नई परत बिछाई जा रही थी। लखनऊ से कानपुर की दिशा में करीब 28 से 35 किलोमीटर के हिस्से में सड़क किनारे और साइड लेन पर व्यापक काम चलता मिला।

करीब 37.6 किलोमीटर पर कई स्थानों पर नालियों को दोबारा दुरुस्त किया जा रहा था। क्रैश बैरियर के कारण पानी निकासी प्रभावित होने की बात सामने आई। करीब 39.5 किलोमीटर पर पुल की दरारों की मरम्मत होती मिली, जबकि 39.8 किलोमीटर के आसपास सड़क का बड़ा हिस्सा काटकर फिर बनाया जा रहा था।

एक्सप्रेसवे के दोनों ओर करीब 42 स्थानों पर मिट्टी के ढेर मिले। सर्विस लेन के किनारे लंबी घास और कई जगह मिट्टी के कटाव के निशान भी दिखाई दिए। जानकारों के मुताबिक जल निकासी सही नहीं होने पर सड़क की निचली परत प्रभावित हो सकती है।

सड़क की स्थिति पर सवाल उठने के बाद निर्माण कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक ने मरम्मत की गति बढ़ा दी है। अब सवाल यह है कि उद्घाटन के इतने कम समय बाद बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत क्यों पड़ी।

# आगरा कैंट स्टेशन से कैमरों वाला बैग आठ घंटे में बरामद

**यूनिक समय, आगरा।** आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने तत्परता दिखाते हुए करीब दस लाख रुपये कीमत के कैमरे और अन्य उपकरणों से भरा बैग आठ घंटे में बरामद कर लिया। बैग दिल्ली निवासी संदीप कुमार का था, जो ट्रेन का इंतजार करते समय भीड़ में कहीं छूट गया था।

बैग में पेशेवर कैमरा, लेंस और कई महंगे उपकरण रखे थे। सामान गायब होने की सूचना मिलते ही जीआरपी टीम ने तलाश शुरू की। सबसे पहले स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में बैग एक यात्री के पास जाता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और आसपास के क्षेत्र में तलाश तेज कर दी।

लगातार करीब आठ घंटे की जांच के बाद टीम ने बैग बरामद कर लिया। जांच में उसमें रखे सभी कैमरे और

### सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग, यात्री को सामान लौटाया

### दस लाख रुपये कीमत के कैमरे और उपकरण सुरक्षित मिले

उपकरण सुरक्षित मिले। इसके बाद बैग उसके वास्तविक मालिक संदीप कुमार को सौंप दिया गया।

सामान वापस मिलने पर संदीप ने जीआरपी की कार्यशैली और तत्परता की सराहना करते हुए आभार जताया। जीआरपी ने यात्रियों से अपील की कि वे सफर के दौरान अपने सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

### पुलिस ने आरोपी महिला और पिता को पकड़ा

# करोड़ों की ठगी के सदमे में डॉक्टर ने जान गंवाई

**यूनिक समय, गोरखपुर।** गोरखनाथ क्षेत्र में 45 वर्षीय पशु चिकित्सक डॉ. परमात्मा सिंह ने अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। घटना के बाद पुलिस को उनकी जेब से एक पन्ने का सुसाइड नोट मिला। इसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए गरिमा सिंह नाम की महिला को जिम्मेदार बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परमात्मा सिंह महराजगंज के नौतनवा में पशु चिकित्सक के पद पर तैनात थे। वह पत्नी डॉ. सुमित्रा सिंह, 12 वर्षीय बेटे और सात वर्षीय बेटी के साथ राजेंद्र नगर स्थित बसंत इनक्लेव में रहते थे। गुरुवार सुबह खाना खाने के बाद वह छत पर गए। करीब 15 मिनट तक टहलने के बाद उन्होंने छलांग लगा दी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने पांच अगस्त को एम्स थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि गरिमा सिंह ने घर का कर्ज खत्म कराने के नाम पर उनसे अलग-अलग बैंकों से कर्ज लेने को कहा।

डॉक्टर के अनुसार, छह बैंकों से कर्ज स्वीकृत होने के बाद करीब 1.40 करोड़ रुपये गरिमा को दिए गए। शुरुआत में उसने कुछ किस्तें चुकाईं, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया। डॉक्टर ने शिकायत में आरोप लगाया था कि पैसे वापस मांगने पर गरिमा ने उन्हें मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताई थी। पुलिस के मुताबिक, गरिमा सिंह और उसके पिता ध्रुव नारायण सिंह को तीन अगस्त को गिरफ्तार किया जा चुका

### महिला पर 1.40 करोड़ रुपये ठगने का आरोप लगाया

### छह बैंकों से कर्ज लेकर महिला को दिए थे पैसे

है। जांच में सामने आया कि गरिमा कथित तौर पर लोगों को कर्ज दिलाने और उसे चुकाने का भरोसा देकर रकम अपने खातों में मंगवाती थी। पुलिस का दावा है कि कई डॉक्टरों और अधिकारियों से करोड़ों रुपये की ठगी की जांच चल रही है। घटना की सूचना पर डॉक्टर के माता-पिता मऊ से गोरखपुर पहुंचे। बेटे का शव देखकर दोनों फूट-फूटकर रो पड़े। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए।

# अलीगढ़ में 20 किलो गांजा समेत पांच तस्कर गिरफ्तार

**यूनिक समय, अलीगढ़।** सिविल लाइन पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 1,070 रुपये नकद, एक बाइक और एक स्कूटी भी बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में हमदर्द नगर निवासी कामरान, सासनी हाथरस निवासी मोहित कुमार और विनय गुप्ता, रामनगर बरकाती निवासी मुस्कान तथा रजा नगर निवासी मुरादन शामिल हैं। सभी को बुधवार को सिविल लाइन थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों में कई के खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। कामरान पर मादक पदार्थ अधिनियम, गैंगस्टर, चोरी और लूट सहित 11 मुकदमे दर्ज हैं। मुस्कान पर तीन, मुरादन पर आबकारी अधिनियम का एक और विनय गुप्ता पर मादक पदार्थ अधिनियम के दो मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

# 100 करोड़ की संपत्ति छोड़ डॉक्टर दंपति ने चुनी जनसेवा की राह

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** उम्र के इस पड़ाव पर जब लोग जीवनभर की कमाई परिवार के लिए सुरक्षित रखने की कोशिश करते हैं, हिमाचल प्रदेश के 77 वर्षीय चिकित्सक डॉ. राजेंद्र कंवर ने इससे बिल्कुल अलग मिसाल पेश की है। नादौन के जोलसप्पड़ निवासी डॉ. कंवर ने अपनी और दिवंगत पत्नी कृष्णा कंवर की करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति प्रदेश सरकार को दान कर दी है। इतना ही नहीं, उन्होंने मृत्यु के बाद अपनी देह भी मेडिकल छात्रों के अध्ययन के लिए दान करने का निर्णय लिया है।

डॉ. कंवर ने पांच अगस्त 2026 को स्वेच्छा से गिफ्ट डीड कर संपत्ति सरकार के नाम कर दी। इसमें दो मंजिला मकान, करीब पांच कनाल पांच मरला जमीन,

### 77 वर्षीय चिकित्सक ने पूरी संपत्ति सरकार को सौंपी

### पत्नी के साथ मिलकर लिया था बड़ा फैसला

### मौत के बाद देह भी मेडिकल छात्रों को देंगे

### 33 साल की सरकारी सेवा आज भी कर रहे हैं इलाज

आभूषण, वाहन, फर्नीचर और बैंक में जमा धनराशि समेत अन्य संपत्तियां शामिल हैं। संबंधित जमीन का इंतकाल भी डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज हमीरपुर के नाम दर्ज हो चुका है।

डॉ. कंवर की पत्नी कृष्णा कंवर शिक्षा विभाग में करीब 32 वर्ष सेवाएं देकर प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हुई थीं। उनका वर्ष 2020 में निधन हो गया था। दंपती ने उनके जीवनकाल में ही अपनी संपत्ति समाज के लिए समर्पित करने का फैसला कर लिया था।

डॉ. कंवर की कोई संतान नहीं है। उनकी इच्छा है कि संपत्ति का इस्तेमाल जरूरतमंदों के स्वास्थ्य उपचार, वृद्धाश्रम या जेरियाट्रिक देखभाल जैसी सुविधाओं के लिए हो। वह चाहते हैं कि भविष्य में संस्थान का नाम पत्नी की स्मृति में 'कृष्णा राजेंद्र' रखा जाए।

डॉ. कंवर वर्ष 1977 में सरकारी चिकित्सक बने और करीब 33 वर्ष सेवा के बाद 2010 में सेवानिवृत्त हुए। क्षेत्र में वह 'कांगू वाले डॉक्टर' के नाम से प्रसिद्ध हैं। 77 वर्ष की उम्र में भी वह घर पर बेहद कम शुल्क में मरीजों का इलाज करते हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भी उनके फैसले को त्याग और जनसेवा की अनुकरणीय मिसाल बताया है।

# नांदेड़ में सुखबीर बादल पर निहंग ने किया जानलेवा हमला

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर गुरुद्वारे के पास एक निहंग ने हमला कर दिया। घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। हमले में बादल के हाथ में चोट आई, जिसके बाद उन्हें यशोमती अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके साथ मौजूद समर्थक भी अस्पताल पहुंचे।

पुलिस के अनुसार, हमला गुरुद्वारा माता साहिब कौर के पास हुआ। शुरुआती जानकारी में निहंग द्वारा कृपाण से हमला किए जाने की बात सामने आई है। घटना के दौरान बादल के सुरक्षाकर्मी संतोष केंद्रे पर भी हमला किए जाने की जानकारी है। घटना के

बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में सुखबीर बादल एक इमारत के भीतर जाते दिखाई दे रहे हैं। उनके दाहिने हाथ पर कपड़ा बंधा हुआ नजर आ रहा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और हमले के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की जानकारी मांगी है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, घटना की गंभीरता को देखते हुए हमले के पीछे की मंशा की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

इससे पहले दिसंबर 2024 में भी सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला हुआ था। अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर के बाहर धार्मिक सजा के तहत सेवा

### कृपाण के वार से हाथ में लगी चोट, अस्पताल में भर्ती

### मुख्यमंत्री फडणवीस ने पुलिस से मांगी घटना की रिपोर्ट

कर रहे बादल पर नारायण सिंह चौड़ा ने गोली चलाने की कोशिश की थी। हालांकि, वह बाल–बाल बच गए थे। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हमलावर को पकड़ लिया था। गुरुवार की घटना के बाद नांदेड़ में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

## संयुक्त राष्ट्र का रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

# लालकिला धमाके के पीछे अलकायदा का हाथ

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नवंबर 2025 में दिल्ली के लालकिले के पास हुए धमाके को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की निगरानी टीम की ताजा रिपोर्ट में बड़ा दावा सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, हमले के पीछे भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा का हाथ था। पहली बार संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज में इस हमले को सीधे इस आतंकी संगठन से जोड़ा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अलकायदा अब बड़े समूहों के बजाय छोटे और बिखरे गुटों के जरिए अपनी गतिविधियां चला रहा है। संगठन ने अपना धन जुटाने और जरूरी सामान पहुंचाने का अलग तंत्र भी विकसित किया है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि संगठन बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

रिपोर्ट में पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव का भी उल्लेख किया गया है। इसमें तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान की गतिविधियों और क्षेत्र में बढ़ते हमलों पर चिंता जताई गई है। संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी संगठनों की बदलती

### आतंकी गतिविधियों को लेकर दक्षिण एशिया चिंतित

### दक्षिण एशिया में आतंकी नेटवर्क बढ़ने की चिंता

### भारत में जांच एजेंसी कर रही मामले की पड़ताल

कार्यप्रणाली पर भी निगरानी बढ़ाने की जरूरत बताई है।

लालकिले के पास हुए धमाके की जांच भारत में राष्ट्रीय जांच एजेंसी कर रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में सामने आया दावा जांच के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि हमले की पूरी साजिश और जिम्मेदारी को लेकर अंतिम निष्कर्ष भारतीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

# गड्ढे से बचने में बाइक फिसली, मेधा की मौत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** खराब सड़क और गड्ढे से बचने की कोशिश 32 वर्षीय ईपीएफओ कर्मचारी मेधा के लिए जानलेवा साबित हुई। अनंतनगर मुख्य मार्ग पर मंगलवार सुबह हुए हादसे में बाइक से गिरने के बाद पीछे से आए मालवाहक वाहन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मेधा इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय में कार्यरत थीं।

जानकारी के अनुसार मेधा अपने सहकर्मी अजय गुरु के साथ बाइक पर कार्यालय जा रही थीं। इसी दौरान आगे चल रही कार के चालक ने सड़क के गड्ढे से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगा दिया। पीछे चल रही बाइक का संतुलन बिगड़

### खराब सड़क के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

गया और मेधा सड़क पर गिर गईं। इसी दौरान पीछे से आए मालवाहक वाहन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। लोगों ने क्षेत्र की जर्जर सड़कों और जगह–जगह बने गड्ढों को हादसों की बड़ी वजह बताया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में अचानक ब्रेक लगना हादसे का तत्काल कारण माना गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मेधा अपने पीछे पति और तीन वर्षीय बेटे को छोड़ गई हैं।

# एअर इंडिया के सभी पायलटों का होगा डोप परीक्षण

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** एअर इंडिया की फुकेत–दिल्ली उड़ान में तेज वायु हलचल के मामले की जांच तेज कर दी गई है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को अंतरिम रिपोर्ट जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट एक महीने से पहले आने की उम्मीद है।

फुकेत से दिल्ली आ रही उड़ान करीब 36 हजार फुट की ऊंचाई पर थी, तभी विमान अचानक लगभग 300 फुट नीचे आ गया था। घटना में करीब 24 यात्री घायल हुए थे। जांच में उड़ान आंकड़ा रिकॉर्डर और कॉकपिट आवाज रिकॉर्डर सुरक्षित कर लिए गए हैं। इनके

### एक महीने से पहले अंतरिम रिपोर्ट आने की उम्मीद

आंकड़ों का विश्लेषण तेज किया जाएगा। यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के बयान तथा चिकित्सकीय रिकॉर्ड भी जांच का हिस्सा होंगे। इस बीच, उड़ान के मुख्य पायलट के दूसरे नशीले पदार्थ जांच परीक्षण के भी सकारात्मक आने की जानकारी सामने आई है। पहले परीक्षण में भी नशीले पदार्थ के सेवन की पुष्टि हुई थी। बताया गया कि जांच में गांजा सेवन के संकेत मिले।

# मंत्रियों की कैंटीन में प्लेटों पर दौड़े कॉकरोच

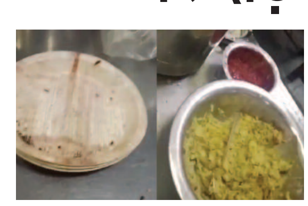

### सरकारी परिसर की रसोई में मिली गंभीर गंदगी

### खाद्य सुरक्षा टीम ने जारी किया परामर्श नोटिस

### कई कैंटीनों में जांच के दौरान मिली खामियां

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** कर्नाटक विधानसभा परिसर से सामने आया एक वीडियो सरकारी कैंटीन की साफ–सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग के निरीक्षण के दौरान कैंटीन में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच घूमते मिले। यहां मंत्री, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी भोजन करते हैं।

विकास सौधा की कैंटीन का निरीक्षण करने पहुंची टीम को परिसर में अस्वच्छता की स्थिति मिली। जांच के दौरान प्लेटों पर कॉकरोच दिखाई दिए। इससे खाद्य पदार्थों की स्वच्छता और कर्मचारियों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विधान सौध, विधायकों के आवास और एमएस बिल्डिंग परिसर में भी खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। आरोग्य सौध की कैंटीन में उपयोग की अंतिम तिथि पार कर चुके इडली रवा और नारियल पाउडर मिले।

अधिकारियों ने बताया कि खाद्य सामग्री का भंडारण भी निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं था।

निरीक्षण में कैंटीन परिसर में कीट नियंत्रण के पर्याप्त उपाय नहीं मिलने की बात भी सामने आई। विभाग ने स्वच्छता संबंधी नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कैंटीन प्रबंधन को परामर्श नोटिस जारी किया है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# मानसून सत्र हंगामे के बीच अनिश्चितकाल तक स्थगित हुआ

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** संसद का मानसून सत्र गुरुवार को हंगामे और विरोध के बीच समाप्त हो गया। सत्र के आखिरी दिन लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सम्मान में खड़े होने की अपील की। इसके बाद गीत का गायन हुआ और सदन की कार्यवाही समाप्त कर दी गई। लोकसभा स्थगित होने के बाद विपक्षी सांसदों का विरोध प्रदर्शन संसद परिसर में जारी रहा। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने राम मंदिर में कथित चंदा चोरी के मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने आरोप लगाया कि सरकार

सदन चलाने में विफल रही और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच संवाद की कमी रही। राज्यसभा में भी विपक्ष ने विभिन्न मुद्दों को लेकर हंगामा किया।

इसके बावजूद सरकार ने खान और खनिज संशोधन विधेयक सदन से पारित करा लिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद भाजपा नेताओं द्वारा कथित शुद्धिकरण हवन किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे लोकतंत्र और देश के लिए चिंताजनक बताया। मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में कुल 37 घंटे 49 मिनट काम हुआ और 12 विधेयकों पर

### राज्यसभा में हंगामे के बीच विधेयक पारित

### लोकसभा में आखिरी दिन कोई कामकाज नहीं हुआ

### दोनों सदनों में सीमित रहा सत्र का कामकाज

चर्चा के बाद उन्हें पारित किया गया। वहीं लोकसभा में 11 विधेयक पेश या पारित हुए। इनमें सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक और केरल का नाम बदलने से संबंधित विधेयक प्रमुख रहे। पूरे सत्र में हंगामे के कारण कामकाज प्रभावित रहा।

# 200 मीटर तिरंगे संग निकली यात्रा, गूंजे जय हिंद के नारे

दो सौ मीटर की तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थी आदि।

तिरंगा यात्रा में शामिल प्रधान प्रताप सिंह राना आदि।

कार्यक्रम में मौजूद स्माइल फाउंडेशन की पदाधिकारी।

तिरंगा यात्रा में शामिल एकेडमी के विद्यार्थी आदि।

## एसपीएस इंटरनेशनल अकादमी के छात्र—छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

## झुड़ावई में निकली तिरंगा यात्रा, गूंजे देशभक्ति के नारे

## महिलाओं ने संस्कृति प्रकृति और देशभक्ति का दिया संदेश

**यूनिक समय, मथुरा।** स्वतंत्रता दिवस से पहले भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से गुरुवार को हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। विकास बाजार स्थित भाजपा कार्यालय से शुरू हुई यात्रा में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारे लगाए।

यात्रा में कार्यकर्ता 200 मीटर लंबा तिरंगा लेकर चल रहे थे। यात्रा होली गेट और भरतपुर गेट होते हुए भगत सिंह पार्क पहुंची, जहां समापन हुआ। होली गेट पर सफाई मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष महेश काजू ने यात्रा का स्वागत किया। प्रभारी मंत्री- बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह स्वतंत्रता, संप्रभुता और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा है।

विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि आजादी अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी भी याद दिलाती है। मांट विधायक राजेश चौधरी ने कहा कि तिरंगा हर नागरिक को एक सूत्र में बांधता है। यात्रा में विधायक मेघश्याम सिंह, संयोजक चंद्रपाल कुंतल, सहसंयोजक दीपक गोला, कुंज बिहारी चतुर्वेदी, ज्ञानेंद्र राणा, ललित गौतम, सुरेंद्र सिंह प्रधान, संजय शर्मा, मलय राठौर, पूजा चौधरी, कल्पना गर्ग, नीलम पांडे, पार्षद अंकुर गुर्जर, शिवकुमार रावत, पूर्व मेयर मुकेश आर्य बंधु, भुवन भूषण कमल, सुल्तान सिंह तरकर, डीपी गोयल, मुकेश खंडेलवाल, यज्ञदत्त कौशिक, नितिन कौशिक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामाजिक संस्था मिशन स्माईल फाउंडेशन ने हरियाली तीज उत्सव को इस बार स्वतंत्रता दिवस की भावना से जोड़ते हुए मनाया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। संस्था की ओर से पदाधिकारियों को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए गए।

संस्था की अध्यक्ष गीता नाथानी ने कहा कि हरियाली तीज प्रकृति, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जुड़ा पर्व है। स्वतंत्रता दिवस देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों की याद दिलाता है। दोनों भावनाओं को जोड़कर आयोजित कार्यक्रम में तिरंगा थीम और देशभक्ति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रमुख रहीं।

महासचिव अधिवक्ता अनीता चावला ने कहा कि पर्वों के माध्यम से नई पीढ़ी को संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रप्रेम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। संस्था ने महिलाओं, युवाओं और शहरवासियों से भारतीय संस्कृति एवं देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सह सचिव हेमा गंगवानी, कोषाध्यक्ष रंजन चूड़ामणि, संगठन मंत्री शालू अग्रवाल, नीरज शर्मा, प्रीति अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, चारू राजवंशी, ईशा राजवंशी, दीप्ति उपाध्याय और अनिता शर्मा मौजूद रहीं।

कोसीकलां। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरूवार को एसपीएस इंटरनेशनल अकादमी के विद्यार्थियों ने नगर में तिरंगा रैली निकालकर देशभक्ति का अनूठा उदाहरण पेश किया। हाथों में तिरंगा और दिलों में देशभक्ति का जज्बा लिए सैकडों छात्रों की रैली ने पूरे नगर को तिरंगे के रंग में रंग दिया।

शुभारंभ प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार, उपप्रधानाचार्य संजय शर्मा, लवलेश जैन और अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से हरे भरे गुब्बारे और तिरंगा फहराकर किया। एनसीसी कैडेट कोर से कैडेट्स अगुवाई कर रहे थे। उनके पीछे सफेद कुर्ते और तिरंगे दुपट्टे में सजी छात्राएं और खाकी वर्दी में छात्र अनुशासित कतारों में चले। नगरवासियों ने छतों और दुकानों से पुष्पवर्षा कर छात्रों का स्वागत किया। कई लोगों ने भी रैली में साथ चलकर अपने घरों पर तिरंगा फहराने का संकल्प किया।

भाजपा मंडल ओल के तत्वावधान में ग्राम झुड़ावई में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय और मंडल अध्यक्ष मनीष ओझा ने किया।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह तरकर, जिला उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, प्रधान प्रताप सिंह राना, चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर, भानु प्रताप, पीयूष धनगर, पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल सिंह, महामंत्री नरेश कटारा, वीरेंद्र कुंतल, मंडल मंत्री पूरण राणा सहित सभी मंडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

# करौली में युवा सर्राफा कमेटी ने सजाया फूल बंगला

करौली में सजाए गए दरबार में विराजमान माता रानी।

## छप्पनभोग और माता की चौकी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

**यूनिक समय, मथुरा।** युवा सर्राफा कमेटी रजि. मथुरा की ओर से राजस्थान के करौली स्थित मां कैलादेवी भवन में श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भव्य फूल बंगला, छप्पन भोग, माता की चौकी और कन्या–लांगुर प्रसादी का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। इसमें मथुरा से पहुंचे कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

कमेटी के संस्थापक मुकुल अग्रवाल और राधाकिशन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मां कैलादेवी को छप्पन भोग और विशेष पोशाक अर्पित कर की गई। इसके बाद स्थानीय धर्मशाला में मथुरा से पहुंचे सदस्यों और श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई।

संध्या समय आयोजित माता की चौकी में श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से माता का गुणगान किया। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु देर तक भक्ति में लीन रहे। कमेटी की ओर से कन्या–लांगुर प्रसादी की भी व्यवस्था की गई।

कमेटी के अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल और महामंत्री पियूष खंडेलवाल ने सभी सदस्यों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। आयोजन में चेतन अग्रवाल, अंकित गर्ग, आशीष गोयल, दीपक सिंघल, टिन्नू वर्मा, गौरहरी बंसल, मनीष भार्गव, पराग अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, सौरभ, अनुज, मनोज, शिवम और मुकेश सहित अनेक पदाधिकारी-सदस्य मौजूद रहे।

# प्राथमिक विद्यालय के बच्चों और शिक्षकों ने निहारा चंद्रोदय मंदिर

चंद्रोदय मंदिर में भ्रमण करते प्राथमिक विद्यालय गौसना के छात्र और शिक्षक।

**यूनिक समय, मथुरा।** प्राथमिक विद्यालय गौसना के छात्रों और शिक्षकों ने अक्षय पात्र की रसोई और चंद्रोदय मंदिर का शैक्षिक भ्रमण किया गया। भ्रमण के द्वारा बच्चों को मध्यान्ह भोजन की तैयारी, स्वच्छता, पोषण- भोजन वितरण की प्रक्रिया के साथ–साथ आध्यात्मिक-मानसिक के बारे में जानकारी दी।

अक्षय पात्र के दिनेश,अशोक वर्मा ने बच्चों और शिक्षकों को अक्षय पात्र की रसोई के भोजन तैयार करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रधानाध्यापक गोवर्धन दास गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण बच्चों के ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने के साथ–साथ उनमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका जाती है। इस मौके पर अध्यापक रचना चौधरी, नीलम शर्मा और प्राची अग्रवाल बच्चों के साथ भ्रमण पर उपस्थित रहीं।

# हरियाली तीज को बाजारों में रौनक

## महिलाएं निकली खरीदारी करने, नगर में दिखी चहल–पहल

**यूनिक समय, वृंदावन।** हरियाली तीज को लेकर सुहागिन महिलाओं में उत्साह नजर आ रहा है। तीज मनाने के लेकर महिलाएं हरी साड़ी, मेंहदी और हरी चूड़ियां खरीदने में जुटी हैं। कई जगह तो महिलाएं अपने हाथों पर मेंहदी रचवाने के लिए तैयार हो रही हैं। मथुरा और वृंदावन के ब्यूटी पार्लर बुक दिए गए हैं। इंतजार है तो हरियाली तीज का।

इस बार 15 अगस्त को हरियाली तीज है। स्वतंत्रता दिवस पर हरियाली तीज पड़ने से लोगों की दिलचस्पी और बढ़ गई है। कई महिलाओं ने तिरंगे रंग वाली साड़ी खरीदने का मन बनाया है। हालांकि क्रेज हरी साड़ी पहनने का है। हरियाली तीज को लेकर बाजार में रौनक दिखाई दे रही है। श्रृंगार का सामान खरीदने के लिए महिलाएं बाजार में नजर आने लगी है। हर महिला अपनी मनपसंद का श्रृंगार खरीदना चाहती है। हालांकि इस बार बाजार में महंगाई का असर दिखाई दे रहा है। फिर भी त्यौहार मनाने के लिए खरीददारी करना भी जरुरी है।

गृहणी सावित्री गुप्ता का कहना था कि साल में दो त्यौहार ही ऐसे आते हैं, जब महिलाएं श्रृंगार का सामान, साड़ी और मेंहदी खरीदने के लिए बाजार में निकलती हैं। एक त्यौहार हरियाली तीज और दूसरा करवा चौथ का। कनक शर्मा कहती है कि हरियाली तीज पर पहले पेड़ों पर पड़ने झूले होते हैं, तो सभी महिला झूला झूलने के लिए एकत्रित होती थी, लेकिन बदलते समय ने पेड़ों पर पड़ने वाले झूले गायब से हो गए हैं। अब होटलों के अंदर श्रावण के गीत सुनाई देते हैं।

# खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित जियो पेट्रोल पंप के समीप कच्चे रास्ते पर खड़े ट्रक में एक बाइक सवार युवक टकरा गया। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई।

बताया गया कि गांव मछरिया जिला धौलपुर राजस्थान निवासी युवक भूपेंद्र( 28 )पुत्र हर गोविंद मथुरा से गांव के लिए बाइक से जा रहा था। भूपेंद्र बाइक से तेजी के साथ जा रहा था। इसी बीच जियो पेट्रोल पंप के समीप कच्चे रास्ते पर खड़े ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की तलाशी की और कागजात के आधर पर दुर्घटना की सूचना उसके परिवार को दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## 15 को बंद रहेंगी शराब और भांग की दुकानें

**यूनिक समय, मथुरा।** जिला मजिस्ट्रेट- लाइसेंस प्राधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने स्वतंत्रता दिवस को लेकर जनपद में शांति-कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए आबकारी दुकानों की बंदी के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, 15 अगस्त को जनपद की समस्त देशी मदिरा, कंपोजिट दुकानें, मॉडल शॉप्स, बार सैन्य इकाइयों और भांग की फुटकर दुकानें पूर्णत बंद रहेंगी।

## रात को युवती के साथ छेड़छाड़

**यूनिक समय, वृंदावन।** बुधवार रात को रुक्मणि विहार गोल चक्कर के पास एक युवती के साथ की गई छेड़छाड़ की घटना ने शर्मसार कर दिया है। युवती विरोध कर चीखती चिल्लाई, इसके बाद भी बाइक सवार एक युवक अश्लील हरकत करता रहा। घटना स्थल पर आए कुछ लोगों को देखकर बाइक सवार युवक भाग निकले। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक युवती बाइक सवार दो युवकों के बीच बैठी है। पीछे बैठा एक युवक उससे छेड़छाड़ कर रहा है। युवती विरोध करती चीख और चिल्लाती नजर आ रही है। शोर गुल की आवाज सुनकर कुछ लोग घटना स्थल पर आते हैं तो बाइक सवार युवक धमकी देते हैं। लोगों का कहना है कि यह घटना शर्मसार कर देने वाली थी। सवाल यह उठता है कि रात के दौरान चौराहे और तिराहों पर पुलिस दिखाई क्यों नहीं देती है।

## युवक ने दी मारपीट की तहरीर

**यूनिक समय, कोसीकलां।** परिवार में चल रहे मन मुटाव के चलते भाई की शादी में शरीक न होने पर परिवार के दो लोगों ने शादी में शामिल न होने वाले भाई के साथ मारपीट की। इस मामले में पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। मौहल्ला करीमुल्लावांस में रहने वाले साबिर ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि 10 अगस्त को उसके छोटे भाई की शादी थी। भाई से चल रहे मनमुटाव के कारण वह शादी में शरीक नहीं हुआ उसी रात ताऊ के लड़के जाहिद ने फोन पर धमकी दी। इसके साथ जाहिद और उसके बहनोई ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरु कर दी है।